INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
Email: info@unicomadvertising.com
www.unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी (केन्द्र सरकार) द्वारा मान्यता प्राप्त-134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
www.uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-270 | सांध्य दैनिक | मथुरा/आगरा संभाग, मंगलवार, 24 नवंबर 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

हाईवे पर तीसरी आंख का पहरा, हर किलोमीटर पर एआई कैमरे

यूनिक समय, मथुरा। सावधान, आगरा-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर अब वाहन चालकों की मनमानी नहीं चल सकेगी। चालकों की मनमानी और बदमाशी पर अब कैमरों की नजर रहेगी। हाईवे पर यातायात व्यवस्था को सुरक्षित-व्यवस्थित बनाने के लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) एडवांस्ड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (एटीएमएस) लागू कर रहा है। इसके तहत रैपुराजाट से कोसीकलां सहित हाईवे के विभिन्न हिस्सों में आधुनिक तकनीक से लैस कैमरे लगाए गए हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित यह व्यवस्था केवल वाहनों की निगरानी तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि सड़क दुर्घटनाओं, यातायात नियमों के उल्लंघन और आपात स्थितियों की पहचान भी करेगी।

योजना के तहत बदरपुर बॉर्डर से आगरा



तक करीब 184 किलोमीटर लंबे हाईवे पर 184 कैमरे लगाए जा रहे हैं। मथुरा जिले की

रैपुराजाट से कोसीकलां तक आधुनिक निगरानी व्यवस्था से नहीं बच पाएंगे नियम तोड़ने वाले

हादसे और जाम की भी होगी तत्काल पहचान, महुअन और कोटवन टोल पर बनें कंट्रोल सेंटर

सीमा में हाईवे का करीब 82 किलोमीटर हिस्सा आता है, जहां काफी संख्या में कैमरे लगाए गए है कैमरों की निगरानी के लिए महुअन और कोटवन टोल प्लाजा पर अत्याधुनिक कंट्रोल सेंटर स्थापित हो चुके हैं। फिलहाल ट्रायल के पर इन केंद्रों से हाईवे पर होने वाली गतिविधियों पर नजर रखने का काम भी होने लगा है।

इन कैमरों की खासियत यह है कि एक कैमरा करीब 500 मीटर तक सड़क की गतिविधियों को कवर कर सकेगा। इनमें दिन-रात निगरानी की सुविधा होगी। एआई तकनीक से लैस कैमरे सड़क पर दुर्घटना, खराब होकर खड़े वाहन और अन्य असामान्य गतिविधियों की पहचान कर कंट्रोल रूम को अलर्ट दे सकेंगे। वहीं ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन (एएनपीआर) तकनीक से वाहनों की नंबर प्लेट पढ़ने में मदद मिलेगी।

एटीएमएस में वीडियो इंसिडेंट डिटेक्शन एंड एनफोर्समेंट सिस्टम (वीआईडीईएस) की व्यवस्था भी महत्वपूर्ण है। इसके माध्यम से ओवरस्पीडिंग, गलत दिशा में वाहन चलाने, गलत लेन, बिना हेलमेट, सीट बेल्ट नहीं लगाने और दोपहिया पर तीन सवारी जैसे उल्लंघनों की पहचान की जा सकती है। इसके आधार पर संबंधित एजेंसियां ई-चालान की कार्रवाई कर सकेंगी। महुवन टोल प्लाजा के मैनेजर ओकिल शर्मा ने बताया कि यह सिस्टम 30 नवंबर या 15 दिसंबर तक चालू होगा, फिलहाल ट्रायल चल रहा है। सिस्टम के काम करने के बाद से हाईवे पर दुर्घटना होने, पशु के आ जाने अथवा वाहन के बीच सड़क पर खराब होने जैसी स्थिति में कंट्रोल सेंटर को तत्काल सूचना मिलेगी। इसके बाद एंबुलेंस, क्रेन और एनएचएआई की क्विक रिस्पांस टीम को मौके पर भेजने में मदद मिलेगी। हाईवे पर सूचना स्क्रीन के माध्यम से जाम, दुर्घटना, मौसम और सड़क की स्थिति की जानकारी भी वाहन चालकों तक पहुंचाई जा सकेगी। इस व्यवस्था का प्रमुख उद्देश्य दुर्घटनाओं में कमी लाना, राहत कार्य तेज करना और दिल्ली-आगरा के बीच सफर को अधिक सुरक्षित बनाना है।

घाटों पर चमकी चांदनी, दीपों की रोशनी से खिल उठा यमुना का सौंदर्य



मंगलवार को देव दीपावली पर विश्राम घाट दीपदान करते श्रद्धालु।



देव दीपावली पर यमुना घाट पर दीपदान करती छात्राएं।



पूर्णिमा पर यमुना के घाट पर दीपदान करती महिलाएं।



कार्तिक पूर्णिमा पर दीपों से स्वास्तिक बनाती छात्राएं।



देव दीपावली पर पूजन करते गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी,नगर मजिस्ट्रेट अनुपम कुमार मिश्र आदि।

कार्तिक पूर्णिमा पर देव दीपावली की छटा ने मोहा मन

हजारों श्रद्धालुओं ने यमुना किनारे किया दीपदान

मंदिरों से घाटों तक गूंजे भजन और घंटे-घड़ियाल

यूनिक समय, मथुरा। कार्तिक पूर्णिमा पर मंगलवार को कान्हा की नगरी देव दीपावली का उल्लास में दिखी। सुबह से ही मौसम में हल्की शीतलता और वातावरण में आध्यात्मिकता का अहसास रहा। मंदिरों में ठाकुरजी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की आवाजाही शुरू हो गई। घंटे-घड़ियालों की गूंज, भजन-कीर्तन के स्वर और दीपों की रोशनी ने पूरे शहर को भक्तिमय रंग में रंग दिया। ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो प्रकृति भी देव दीपावली के स्वागत में अपनी छटा बिखेर रही हो।

सूर्योदय से पहले ही मंदिरों और देवालयों में पूजा-अर्चना शुरू हो गई। श्रद्धालुओं ने भगवान के दर्शन कर दीप



कार्तिक पूर्णिमा पर यमुना घाट सीढ़ियों पर दीपक जलाती युवतियां।

प्रज्ज्वलित किए और सुख-समृद्धि की कामना की। दिन चढ़ने के साथ ही यमुना के घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी। विश्राम घाट, बंगाली घाट और आसपास के घाटों पर दीपदान की तैयारियां दिखाई देने लगीं। शाम ढलने से पहले ही हजारों हाथ दीप जलाने में जुट गए। देखते ही देखते घाटों की सीढ़ियां दीपों की कतारों से सज उठीं।

सूर्यास्त के बाद यमुना के तट पर अद्भुत दृश्य दिखाई दिया। असंख्य दीपों की लौ से घाट जगमगा उठे। जल में पड़ती दीपों की सुनहरी परछाइयां यमुना की लहरों के साथ थिरकती नजर आईं। ऐसा लग रहा था मानो आसमान के तारे उतरकर यमुना की गोद में समा गए हों। दीपों की रोशनी और चांदनी की चमक ने यमुना के सौंदर्य को और निखार दिया। श्रद्धालु इस अलौकिक दृश्य को अपने मोबाइल कैमरों में कैद करते नजर आए। घाटों पर कहीं परिवार के साथ दीपदान हो रहा था तो कहीं श्रद्धालु सामूहिक रूप से दीप सजाकर धार्मिक परंपरा निभा रहे थे। महिलाओं और बच्चों में विशेष उत्साह दिखाई दिया। पूजा की थालियों में सजे दीप, फूल और धूपबत्ती के साथ श्रद्धालुओं ने मां यमुना की आरती उतारी। भजन-कीर्तन और जयकारों से वातावरण गूंजता रहा। देव दीपावली के इस आयोजन ने ब्रज की धार्मिक परंपरा, संस्कृति और आस्था की जीवंत तस्वीर प्रस्तुत की। देर शाम तक घाटों पर दीपदान और दर्शन का सिलसिला चलता रहा।

हर घाट पर दिखी अलग छटा

कृष्ण गंगा घाट, गऊघाट, कंसकिला घाट, वैकुण्ठ घाट, संत घाट, सूरत घाट, गणेश घाट, सकरकुई घाट, मणिकर्णिका घाट, वल्लभ घाट, विश्राम घाट, सती बुर्ज घाट, राजाघाट, प्रयाग घाट, श्रृंगार घाट, श्याम घाट, राम घाट, दंडी घाट, सूर्य घाट, बंगाली घाट, तिलोई घाट और ध्रुव घाट सहित 23 घाटों पर दीपदान और सजावट की गई। कहीं दीपों से आकर्षक आकृतियां बनाई गईं तो कहीं रंगोलियों के बीच सजे दीपों ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया।

एक रुपये के पर्चे पर अस्पताल में जांचों का आंकड़ा डेढ़ लाख पार

यूनिक समय, मथुरा। एक रुपये के पंजीकरण पर्चे पर इलाज और निर्धारित शुल्क पर जांच की सुविधा जिला चिकित्सालय महर्षि दयानंद सरस्वती अस्पताल में बड़ी संख्या में मरीजों को राहत दे रही है। अक्टूबर महीने के आंकड़े इसकी गवाही दे रहे हैं। एक माह में अस्पताल के पैथोलॉजी विभाग में 1,49,494 जांचें की गईं, जबकि एक्सरे विभाग में 2,051 परीक्षण हुए। दोनों विभागों को मिलाकर जांचों का आंकड़ा 1,51,545 तक पहुंच गया।

अक्टूबर की रिपोर्ट में पैथोलॉजी विभाग सबसे आगे रहा। यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीजों की खून और अन्य जरूरी जांचें की गईं। चिकित्सकों की सलाह पर बीमारी की पहचान और उपचार की दिशा तय करने के लिए

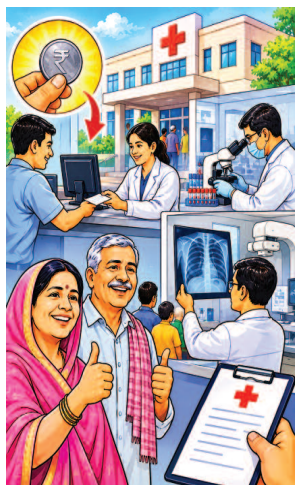

मरीज इन जांचों का सहारा लेते हैं। समय पर जांच होने से बीमारी की स्थिति समझने और उपचार शुरू करने में मदद मिलती है। इसी वजह से पैथोलॉजी विभाग अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा बना हुआ है।

अक्टूबर में पैथोलॉजी की 1,49,494 और एक्सरे की 2,051 जांचें हुईं सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं पर मरीजों का भरोसा

वहीं, एक्सरे विभाग में भी पूरे महीने मरीजों की आवाजाही बनी रही। अक्टूबर में कुल 2,051 एक्सरे किए गए। हड्डियों से जुड़ी समस्याओं, चोट और अन्य बीमारियों की पहचान में एक्सरे जांच महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

जिला चिकित्सालय में एक रुपये के पंजीकरण पर्चे पर मरीजों को चिकित्सकीय परामर्श और उपचार की सुविधा मिलती है। सरकारी व्यवस्था के तहत उपलब्ध जांच सेवाएं भी निजी केंद्रों की तुलना में मरीजों की जेब पर कम बोझ डालती हैं। खासकर आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए यह व्यवस्था बड़ी राहत साबित हो रही है।

अक्टूबर के आंकड़े अस्पताल में पैथोलॉजी और एक्सरे सेवाओं की व्यस्तता के साथ ही सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं पर मरीजों की निर्भरता को भी दर्शाते हैं। हालांकि, जांचों की संख्या के साथ उनकी गुणवत्ता, समय पर रिपोर्ट और मरीजों को मिलने वाली सुविधाएं भी स्वास्थ्य सेवाओं की अहम कसौटी हैं।



छटीकरा मार्ग पर भीषण जाम वाहनों की लगी लंबी कतारें



वृंदावन-छटीकरा मार्ग पर जाम में फंसे वाहन।

यूनिक समय, वृंदावन। कार्तिक पूर्णिमा पर मंगलवार को धर्मनगरी में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने से यातायात व्यवस्था चरमरा गई। छटीकरा मार्ग पर वाहनों का दबाव बढ़ने से भीषण जाम लग गया। सड़क पर कार, बस, ऑटो और ई-रिक्शा की लंबी कतारें लगने से वाहनों की रफ्तार थम गई। जाम में फंसे स्थानीय लोगों और बाहर से आए श्रद्धालुओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

यमुना स्नान, पंचकोसीय परिक्रमा और मंदिरों में दर्शन के लिए देश के विभिन्न हिस्सों से श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला सुबह से ही जारी रहा। इससे प्रमुख मार्गों पर वाहनों की संख्या लगातार बढ़ती गई।

छटीकरा मार्ग पर कई वाहन चालक काफी देर तक जाम में फंसे

बिगड़ी यातायात व्यवस्था घंटों जाम में फंसे रहे वाहन

रहे। हालात ऐसे रहे कि लोगों को कुछ दूरी तय करने में भी काफी समय लग गया। खास बात यह है कि एक दिन पहले भी वृंदावन के प्रमुख मार्गों पर जाम के हालात बने थे, लेकिन कार्तिक पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ने के साथ समस्या और गंभीर हो गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि पर्वों पर यातायात का दबाव बढ़ने के बावजूद पर्याप्त इंतजाम नहीं दिखाई देते। उन्होंने प्रमुख मार्गों पर अतिरिक्त पुलिसकर्मियों की तैनाती, वाहनों के आवागमन के लिए प्रभावी रूट डायवर्जन और जाम से निपटने के लिए ठोस व्यवस्था किए जाने की मांग की है।

कार्तिक पूर्णिमा पर राधावल्लभ मंदिर में उमड़े श्रद्धालु



मंगलवार को ठा. राधावल्लभ मंदिर में दर्शन करते श्रद्धालु।

यूनिक समय, वृंदावन। कार्तिक मास के अंतिम दिन मंगलवार को ठा. राधावल्लभ मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह से ही ठाकुरजी के दर्शन के लिए भक्तों का पहुंचना शुरू हो गया। कार्तिक मास के समापन पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने राधावल्लभ लाल के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।

मंदिर के पट खुलने के साथ ही श्रद्धालुओं की आवाजाही बढ़ने लगी। मंदिर परिसर में दिनभर भक्तिमय माहौल बना रहा। ठाकुरजी के जयकारों और भजन-कीर्तन से वातावरण गूंजता रहा। दर्शन के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं में कार्तिक मास के अंतिम दिन ठाकुरजी के दर्शन करने को लेकर विशेष उत्साह दिखाई दिया। कई श्रद्धालुओं ने राधावल्लभ मंदिर में दर्शन के बाद वृंदावन के अन्य प्रमुख मंदिरों का रुख किया। कार्तिक मास का ब्रज में विशेष धार्मिक महत्व है। पूरे महीने श्रद्धालु पूजा-पाठ, भजन-कीर्तन और मंदिरों में दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित करते हैं। अंतिम दिन भी श्रद्धालुओं की अटूट आस्था और भक्ति का नजारा देखने को मिला।

कार्तिक मास के अंतिम दिन बांके बिहारी मंदिर के बाहर उमड़ी भीड़



बांकेबिहारी मंदिर के गेट दो पर दर्शन को खड़े श्रद्धालु।

यूनिक समय, वृंदावन। कार्तिक मास के अंतिम दिन मंगलवार को ठा. बांके बिहारी मंदिर में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से ही मंदिर के आसपास भक्तों की भीड़ जुटनी शुरू हो गई। दिन चढ़ने के साथ श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ती गई। मंदिर के गेट नंबर एक से लेकर गेट नंबर पांच तक भक्तों की भारी भीड़ दिखाई दी।

मंदिर के बाहर और आसपास के

गेट नंबर एक से पांच तक श्रद्धालुओं का दबाव, रास्तों से निकलने में भक्तों को करनी पड़ी मशक्कत

रास्तों पर श्रद्धालुओं का दबाव इतना अधिक रहा कि लोगों को आवागमन में खासी परेशानी उठानी पड़ी। भीड़ के बीच रास्ता पार करना भी मुश्किल हो गया। मंदिर की ओर जाने वाली गलियों में जगह-जगह श्रद्धालुओं की कतारें और लोगों की आवाजाही से हालात व्यस्त बने रहे। कई स्थानों पर भक्तों को एक-दूसरे के बीच से निकलने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी।

कार्तिक मास के समापन पर ठाकुरजी के दर्शन करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु देश के विभिन्न हिस्सों से वृंदावन पहुंचे। मंदिर के आसपास का पूरा क्षेत्र दिनभर भक्तिमय माहौल में डूबा रहा। हालांकि भारी भीड़ के चलते स्थानीय लोगों और दर्शनार्थियों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

ठाकुर श्री जानकी वल्लभ लाल मंदिर में धूमधाम से मना अन्नकूट महोत्सव



ठाकुर श्री जानकी वल्लभ लाल मंदिर में अन्नकूट महोत्सव पर छप्पन भोग अर्पित करते संतजन।

यूनिक समय, वृंदावन। केसी घाट स्थित ठाकुर श्री जानकी वल्लभ लाल मंदिर में मंगलवार को अन्नकूट महोत्सव श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया। इस अवसर पर ठाकुरजी के समक्ष छप्पन भोग सहित तरह-तरह के पकवानों और मिष्ठानों का भव्य अन्नकूट सजाया गया। फूलों से सजे मंदिर परिसर में राम दरबार के दिव्य स्वरूप ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया।

इस अवसर पर जगद्गुरु स्वामी अनिरुद्धाचार्य ने अन्नकूट महोत्सव की धार्मिक और आध्यात्मिक महत्ता बताते हुए कहा कि ऐसे आयोजन सनातन संस्कृति और प्राचीन परंपराओं को जीवंत बनाए रखने के साथ नई पीढ़ी को धर्म-अध्यात्म से जोड़ते हैं। भगवान के प्रति भक्ति, समर्पण और कृतज्ञता का भाव ही इस महोत्सव का मूल उद्देश्य

छप्पन भोग और विविध पकवानों से सजा अन्नकूट, जगद्गुरु स्वामी अनिरुद्धाचार्य ने बताई महोत्सव की महिमा

है।

वहीं गोविंद दास ने कहा कि अन्नकूट महोत्सव में भगवान को विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का भोग अर्पित करने की प्राचीन परंपरा है। महोत्सव के दौरान मंदिर में भजन-कीर्तन और भक्तिमय वातावरण बना रहा। कार्यक्रम में माधवाचार्य, रघुनाथाचार्य, राम नारायण पुजारी, मौनी बाबा, सुधीर गौतम, शिवनेश, पीयूष, यश नारायण और जगन्नाथ सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

बदलती जीवनशैली से युवाओं में बढ़ रहा हार्ट अटैक का खतरा

खानपान की गलत आदतें मोटापा और तनाव बन रहे

दिल के दुश्मन, दवाओं में लापरवाही भी पड़ सकती है भारी

यूनिक समय, मथुरा। पांच फीट तीन इंच की लंबाई और 95 किलो वजन वाले 45 वर्षीय देवेंद्र कुमार को थोड़ी दूर चलने में परेशानी होती थी, लेकिन करीब 25 किलो वजन कम करने के बाद अब वह चार किलोमीटर तक पैदल चल रहे हैं। यह बदलाव बताता है कि वजन नियंत्रित रखने और नियमित शारीरिक गतिविधियों से जीवन की गुणवत्ता में सुधार हो सकता है।

बदलती जीवनशैली और बिगड़ी दिनचर्या लोगों की सेहत पर भारी पड़ रही



है। देर रात तक जागना, समय पर भोजन न करना, फास्ट फूड का बढ़ता सेवन और शारीरिक गतिविधियों से दूरी जैसी आदतें दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ा रही हैं। कम उम्र में ही लोग मोटापा, मधुमेह और ब्लड प्रेशर जैसी समस्याओं की चपेट में आ रहे हैं। यही बीमारियां आगे चलकर हार्ट अटैक की आशंका बढ़ा सकती हैं। पहले हार्ट अटैक के मामले मुख्य रूप से अधिक उम्र के लोगों में सामने आते थे, लेकिन अब युवा भी इसकी चपेट में आ रहे हैं। दिनभर एक जगह बैठकर काम करना, नियमित व्यायाम और टहलने के लिए समय नहीं निकालना, लगातार मानसिक तनाव में रहना दिल की सेहत को प्रभावित कर रहा है। खानपान की अनियमितता और नींद पूरी न होना भी इस खतरे को बढ़ाने वाले कारक हैं। दिल की सेहत के साथ दवाओं के इस्तेमाल में सावधानी बरतना भी जरूरी है। बिना चिकित्सकीय सलाह दवाएं लेना या निर्धारित उपचार को बीच में छोड़ देना नुकसानदायक हो सकता है। शुगर और वजन नियंत्रित करने के लिए इस्तेमाल होने वाली जीएलपी-1 दवाओं को लेकर हाल ही में करीब 80 हजार मधुमेह रोगियों पर किए गए अध्ययन में सामने आया कि इन दवाओं को बीच में छोड़ने वाले मरीजों में हृदय संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ा हुआ पाया गया।

छोटी सावधानियां बचा सकती हैं दिल

हृदय रोगों का खतरा कम करने के लिए दिनचर्या में सुधार जरूरी है। समय पर भोजन करना, तले-भुने और बाहर के खाने से परहेज, नियमित टहलना, व्यायाम और पर्याप्त नींद को आदत में शामिल करना चाहिए। मधुमेह और ब्लड प्रेशर के मरीज नियमित जांच कराएं, निर्धारित दवाएं समय पर लें। किसी भी दवा को चिकित्सक की सलाह के बिना शुरू या बंद न करें।

राधेश्याम कॉलोनी में नशे का कारोबार करने वाली महिला गिरफ्तार



गोविंदनगर पुलिस की गिरफ्त में नशीले पदार्थों के कारोबार की आरोपी महिला और बरामद नशीले पदार्थ।

9.28 लाख रुपये के नशीले पदार्थ बरामद बिक्री के 1.28 लाख रुपये भी मिले

यूनिक समय, मथुरा। गोविंदनगर पुलिस ने राधेश्याम कॉलोनी में नशीले पदार्थों का अवैध कारोबार करने वाली महिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 313 ग्राम अल्प्राजोलम, 27 ग्राम स्मैक और नशीले पदार्थों की बिक्री से प्राप्त 1,28,170 रुपये की नकदी बरामद की है। बरामद नशीले पदार्थों की कीमत 9,28,170 रुपये बताई गई है।

सीओ सिटी आशाना चौधरी ने बताया कि राधेश्याम कॉलोनी में नई मस्जिद के समीप एक महिला द्वारा नशे का कारोबार किए जाने की सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस टीम को निगरानी के लिए लगाया गया। सूचना की पुष्टि होने पर गोविंदनगर पुलिस ने महिला के घर पर छापा मारकर उसे गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान घर से नशीले पदार्थ और नकदी बरामद हुई।

पति की मौत के बाद संभाला था कारोबार

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार महिला का पति सलीम लंबे समय से नशीले पदार्थों के कारोबार में लिप्त था। उसकी मौत के बाद पत्नी ने कथित तौर पर कारोबार की कमान संभाल ली। बाद में महिला ने अनसार से शादी कर ली। पुलिस के मुताबिक, अनसार भी इस अवैध कारोबार में शामिल हो गया था। महिला कथित तौर पर इस तरह रहती थी कि आसपास के लोगों को उसके कारोबार की भनक तक नहीं लगती थी। कार्रवाई करने वाली टीम में सीओ केजेएस जितेंद्र कुमार, थाना प्रभारी अजय वर्मा, उप निरीक्षक आजाद सिंह, मयंक वत्स, प्रशांत शर्मा, महिला उप निरीक्षक रौनक और पुलिसकर्मी शामिल रहे।



गोवंश चोरी के आरोपियों से पुलिस की मुठभेड़, एक गिरफ्तार

पुलिस की जवाबी फायरिंग में बदमाश के पैर में लगी गोली, दूसरा साथी चकमा देकर फरार



पुलिस मुठभेड़ में घायल गोवंश चोरी का आरोपी।

यूनिक समय, कोसीकलां। गोवंश चोरी के आरोपियों और एसओजी टीम और कोसीकलां पुलिस के बीच बीती रात कोसी न्यू कामर रोड पर एक निर्माणाधीन बिल्डिंग के समीप मुठभेड़ हो गई। दोनों ओर से हुई फायरिंग में पुलिस की गोली लगने से एक आरोपी घायल हो गया, जबकि उसका दूसरा साथी पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। पुलिस ने घायल आरोपी को गिरफ्तार कर अस्पताल में भर्ती कराया है। मौके से सफेद रंग की बोलेरो पिकअप, देशी तमंचा और कारतूस बरामद किए गए हैं।

सीओ छाता भूषण वर्मा ने बताया कि 12/13 नवंबर की रात कोसीकलां के अग्रसेन चौक से गाय चोरी की घटना हुई थी। इस मामले में थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। पुलिस और एसओजी टीम आरोपियों की तलाश में जुटी थीं।

बीती रात पुलिस टीमों को सूचना मिली कि गोवंश चोरी करने वाला गिरोह कोसी न्यू कामर रोड पर किसी वारदात को अंजाम देने के इरादे से आया हुआ है।

सूचना पर एसओजी और कोसीकलां पुलिस ने इलाके में घेराबंदी कर दी। इसी दौरान निर्माणाधीन बिल्डिंग के पास पुलिस का आरोपियों से आमना-सामना हो गया।

पुलिस को देखकर आरोपियों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक आरोपी के पैर में गोली लग गई, जबकि दूसरा मौके से भाग निकला।

पुलिस ने घायल अवस्था में हुसैन उर्फ रांघड़ निवासी नरयाला, थाना पिनंगवा, जनपद नूंह (हरियाणा) को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से एक सफेद बोलेरो पिकअप, देशी तमंचा और कारतूस बरामद हुए हैं। पुलिस फरार आरोपी की तलाश में जुटी है।

कूड़े के ढेर में बोरे में बंद मिला अज्ञात युवक का शव

सिर और चेहरे पर चोटों के निशान, हत्या कर शव फेंके जाने की आशंका

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे क्षेत्र में ट्रांसपोर्ट नगर की चंद्राग्रीन कॉलोनी के समीप कूड़े के ढेर में बोरे में बंद युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। युवक के सिर और चेहरे पर चोटों के निशान मिले हैं। आशंका जताई जा रही है कि कहीं और हत्या करने के बाद शव को यहां लाकर फेंका गया है।

जानकारी के अनुसार, मंगलवार सुबह नगर निगम के सफाईकर्मी डंपिंग ग्राउंड की सफाई करने पहुंचे थे। इसी दौरान उन्हें वहां सफेद रंग का बोरा पड़ा दिखाई दिया। संदेह होने पर सफाईकर्मियों ने बोरा खोला तो उसमें युवक का शव देखकर उनके होश उड़ गए। कुछ ही देर में घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई। काफी प्रयास के बावजूद मृतक की पहचान नहीं हो सकी।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को बोरे से बाहर निकलवाकर तलाशी ली, लेकिन ऐसी कोई वस्तु नहीं मिली जिससे उसकी पहचान हो सके। पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया। मृतक के सिर और चेहरे पर चोटों के निशान मिलने से हत्या की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने शिनाख्त के लिए मृतक का फोटो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित किया है।

एक्सप्रेस-वे पर 134 किलो गांजे के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार



एक्सप्रेस-वे पर गांजे के साथ पकड़े गए तस्कर और पुलिस टीम।

दो कारों में गांजा लेकर दिल्ली जा रहे थे आरोपी एएनटीएफ और मांट पुलिस की संयुक्त कार्रवाई

यूनिक समय, मथुरा। यमुना एक्सप्रेस-वे पर मांट टोल प्लाजा से करीब एक किलोमीटर पहले एएनटीएफ और मांट पुलिस की संयुक्त टीम ने दो कारों में सवार तीन गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 134 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। दोनों कारों को भी जब्त कर लिया गया है।

पुलिस के अनुसार, एएनटीएफ टीम और मांट पुलिस को सूचना मिली थी कि आगरा की ओर से दो कारों में गांजा लेकर तस्कर दिल्ली की तरफ जा रहे हैं। सूचना मिलते ही दोनों टीमों ने एक्सप्रेस-वे पर घेराबंदी कर दी। मांट टोल प्लाजा से करीब एक किलोमीटर पहले दोनों कारों को रोककर तलाशी ली गई तो उनमें गांजा बरामद हुआ।

पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अनिल कुमार उर्फ छोटे निवासी औरैया, हाल निवासी दिल्ली, सचिन देवीदास तायवड़े और सोमेश साहेबराव मानेकर निवासी अमरावती, महाराष्ट्र के रूप में की है। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उनका नेटवर्क दिल्ली और महाराष्ट्र सहित कई राज्यों में फैला हुआ है। तीनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस ने गांजा और दोनों कारों को जब्त कर लिया है।

यमुना पुल से आगे दो बाइकों में भिड़ंत, बच्चे समेत चार घायल

रसखान नगरी के धोबी घाट के समीप हुआ हादसा, पुलिस ने अस्पताल में कराया भर्ती

यूनिक समय, मथुरा। थाना यमुनापार क्षेत्र में रसखान नगरी के धोबी घाट के समीप यमुना पुल से आगे मंगलवार रात दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में एक बच्चे समेत चार लोग घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। बताया गया कि मथुरा से लक्ष्मीनगर जाने वाले मार्ग पर रसखान नगरी के निकट एक बाइक सवार सड़क पार कर रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार से आ रही दूसरी बाइक उससे टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों बाइकों पर सवार चारों लोग सड़क पर गिरकर घायल हो गए। इनमें एक बच्चा भी शामिल है।

दुर्घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को उठवाया और नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। बताया गया कि बाइक सवार मथुरा से रावल की ओर जा रहे थे। हादसे के बाद घटनास्थल पर कुछ देर तक लोगों की भीड़ लगी रही।

पढ़िए वो जो पढ़ना चाहिए
यूनिक समय
www.uniquesamay.com

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-3550761

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।



टोल बचाने को फर्जीवाड़े का खेल,आईकार्ड देखकर अधिकारी हैरान

आर्मी से लेकर आईएएस आईपीएस और एयरफोर्स तक के पहचान पत्रों का इस्तेमाल महुवन टोल पर दो दिन के अभियान में खुली पोल

यूनिक समय, मथुरा। टोल टैक्स बचाने के लिए लोग किस हद तक फर्जीवाड़ा कर रहे हैं, इसकी बानगी महुवन टोल प्लाजा पर देखने को मिली। कोई खुद को सेना का अधिकारी बता रहा है तो कोई पुलिस, विधायक, आईएएस, आईपीएस और एयरफोर्स से जुड़ा होने का पहचान पत्र दिखाकर टोल शुल्क से बचने की कोशिश कर रहा है। प्रेस, गवर्नमेंट और एनएचएआई के नाम वाले पहचान पत्र भी जांच के दौरान सामने आए हैं।





महुवन टोल प्लाजा पर वाहन चालकों के पहचान पत्रों की जांच करते टोल कर्मचारी। जब्त किए गए संदिग्ध पहचान पत्र।

संदिग्ध पहचान पत्रों की भरमार देखकर टोल प्रबंधन भी हैरान है।

महुवन टोल प्लाजा पर कथित फर्जी पहचान पत्रों के सहारे टोल छूट लेने की कोशिशों पर रोक लगाने के लिए पिछले दो दिनों से विशेष अभियान चलाया जा रहा है। हाईवे के टोल मैनेजर ओकिल शर्मा ने एसकेएम के मैनेजर संजय यादव, गौरव चौधरी और अन्य कर्मचारियों के साथ अभियान की कमान संभाली। इस दौरान वाहनों को रोककर चालकों से पहचान पत्रों की जांच कराई गई तो कई चौंकाने वाले मामले सामने आए। कुछ वाहन चालक पहचान पत्र दिखाने के बजाय मौके से ही भाग निकले।

जांच के दौरान आर्मी, पुलिस, विधायक, आईएएस, पीसीएस, आईपीएस, एयरफोर्स, प्रेस, गवर्नमेंट और एनएचएआई सहित विभिन्न विभागों और पदों के नाम वाले सैकड़ों पहचान पत्र सामने आए। इन कार्डों की वास्तविकता और उनकी वैधता की जांच की जा रही है।

टोल प्रबंधन ने शुरू किया विशेष अभियान

टोल मैनेजर ओकिल शर्मा ने बताया कि कुछ वाहन चालक अलग-अलग विभागों और पदों के पहचान पत्र दिखाकर टोल शुल्क से छूट लेने का प्रयास करते हैं। ऐसे मामलों को गंभीरता से लेते हुए अभियान शुरू किया गया है। संदिग्ध पहचान पत्र मिलने पर संबंधित वाहन चालकों से जवाब मांगा जा रहा है। अभियान का उद्देश्य नियमों के विपरीत टोल छूट लेने की कोशिशों पर रोक लगाना है। टोल प्रबंधन के अनुसार, पूर्व में भी इस तरह के पहचान पत्र पकड़े जा चुके हैं। फिलहाल जांच अभियान जारी रहेगा, ताकि वैध पहचान पत्रों और संदिग्ध कार्डों के बीच अंतर स्पष्ट किया जा सके और टोल नियमों का पालन सुनिश्चित हो।

त्योहार के बाद जंक्शन पर उमड़ी यात्रियों की भीड़



मंगलवार को जंक्शन रेलवे स्टेशन पर उमड़ी भीड़।

सीट हासिल करने के लिए दूसरे ट्रैक पर पहुंचे लोग

जंक्शन रेलवे स्टेशन पर मंगलवार को भीड़ का आलम ये रहा कि लोग ट्रेन में सीट हासिल करने के लिए ट्रैक् के दूसरी ओर पहुंच गए। जंक्शन मौजूद आरपीएफ और जीआरपी के जवान लोगों को ट्रैक से हटने के लिए लगातार चेतावनी देते रहे, लेकिन ट्रेन में सीट हासिल करने के लिए यात्रियों ने किसी की नहीं सुनी और वह ट्रैक पर जमे रहे।

जीआरपी और आरपीएफ ने चलाया चेकिंग अभियान

यूनिक समय, मथुरा। त्योहार समाप्त होने के बाद अब लोगों का अपने गंतव्य की ओर लौटना शुरू हो गया है। इसके चलते मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ रही है। वहीं कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर यमुना में स्नान के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की भी स्टेशन पर खासी भीड़ रही। यात्रियों और श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए रेलवे प्रशासन भी सतर्क नजर आया।

सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त टीम ने जंक्शन रेलवे स्टेशन पर चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान स्टेशन परिसर, प्लेटफार्म, प्रतीक्षालय और आने-जाने वाले यात्रियों पर विशेष नजर रखी गई। संदिग्ध व्यक्तियों और सामान की जांच की गई। साथ ही यात्रियों को सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति की जानकारी तत्काल सुरक्षा कर्मियों को देने के लिए जागरूक किया गया।

त्योहार के बाद घर लौटने वाले यात्रियों के साथ ही कार्तिक पूर्णिमा पर स्नान के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं के कारण स्टेशन पर दिनभर चहल–पहल बनी रही। ट्रेनों में सवार होने के लिए यात्रियों की आवाजाही बढ़ने से प्लेटफार्मों पर भी भीड़ दिखाई दी।

जीआरपी थाना प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि त्योहर खत्म होने के बाद सभी लोग अपने काम पर वापस जा रहे हैं। वहीं कार्तिक पूर्णिमा के स्नान के लिए भी बड़ी संख्या में लोग आ रहे है। सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए प्लेटफार्म संख्या आठ सहित समूचे जंक्शन परिक्षेत्र में चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान संदिग्धों की तलाशी ली गई और यात्रियों को उनके कीमती सामान के प्रति जागरूक किया गया।



ट्रेन में सीट हासिल करने के लिए ट्रैक के दूसरी ओर खड़े यात्री।

श्रीकृष्ण के विरोध पर देशभर के तीर्थों में आवाज उठाएंगे तीर्थ पुरोहित



भगवान श्रीकृष्ण पर टिप्पणी करने वालों के खिलाफ प्रेस वार्ता करते अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहित महासभा–परिषद के मुख्य संरक्षक महेश पाठक,राजन पाठक और राकेश तिवारी आदि।

यूनिक समय, मथुरा। भगवान श्रीकृष्ण को लेकर धीरेंद्र शास्त्री के कथित विरोधात्मक बयान के विरोध में अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहित महासभा और श्री माथुर चतुर्वेद परिषद ने संयुक्त रूप से मोर्चा खोलने की घोषणा की है। दोनों संगठनों ने स्पष्ट किया कि इस मुद्दे को देशभर के तीर्थस्थलों तक पहुंचाया जाएगा और विरोध दर्ज कराते हुए ज्ञापन सौंपे जाएंगे।

समाजवाड़ी स्थित हॉल में आयोजित संयुक्त प्रेस वार्ता में अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहित महासभा- परिषद के मुख्य संरक्षक महेश पाठक ने कहा कि भारतवर्ष के प्रत्येक तीर्थस्थल पर धीरेंद्र शास्त्री का विरोध किया जाएगा। इस संबंध में विभिन्न तीर्थस्थलों पर ज्ञापन भी दिए जाएंगे।

अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहित महासभा के अध्यक्ष रामकृष्ण तिवारी ने बताया कि 9 और 10 दिसंबर को सोमनाथ में होने वाली महासभा की बैठक में इस विषय को प्रमुखता से उठाया जाएगा। बैठक में निंदा प्रस्ताव पारित कर विरोध की आगामी रणनीति तैयार की जाएगी। श्री माथुर चतुर्वेद परिषद के अध्यक्ष राजन पाठक ने कहा कि परिषद भगवान श्रीकृष्ण का विरोध करने वाले प्रत्येक व्यक्ति के खिलाफ हर स्तर पर आवाज उठाएगी। भगवान श्रीकृष्ण के प्रति किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक टिप्पणी को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

प्रेस वार्ता का संचालन करते हुए परिषद के संरक्षक-अधिवक्ता राकेश तिवारी ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण जन-जन के आराध्य हैं। मथुरा उनकी जन्मभूमि है और यहां का प्रत्येक निवासी भगवान श्रीकृष्ण के प्रति अपनी आस्था और श्रद्धा रखता है। उन्होंने कहा कि मथुरावासी भगवान श्रीकृष्ण के सम्मान और गौरव के लिए हर स्तर पर उनके साथ खड़े हैं। परिषद के संरक्षक गिरधारी लाल पाठक,परिषद के महामंत्री नवीन नागर ने भी विचार व्यक्त किए।

सोमनाथ में 9–10 दिसंबर को होने वाली महासभा की बैठक में निंदा प्रस्ताव लाकर विरोध की बनेगी रणनीति

शादी का झांसा देकर किशोरी को भगाने वाला गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। मांट पुलिस ने शादी का झांसा देकर किशोरी को बहला–फुसलाकर भगा ले जाने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर किशोरी को बरामद कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

पुलिस के अनुसार, 22 नवंबर को किशोरी के पिता ने मांट थाने में उसे बहला–फुसलाकर शादी का झांसा देकर भगा ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मामले की जांच और किशोरी की तलाश में जुटी पुलिस ने आरोपी सचिन निवासी गांव गढ़ी पट्टी, थाना होडल, जिला पलवल (हरियाणा) के घर दबिश दी। पुलिस ने वहां से सचिन को गिरफ्तार करने के साथ किशोरी को भी बरामद कर लिया।

पुलिस ने हरियाणा में आरोपी के घर दबिश देकर किशोरी को भी किया बरामद

गौड़ समाज ने किया 11 विप्रों का सम्मान

यूनिक समय, मथुरा। अखिल भारतीय गौड़ मंडल (पंजीकृत) की ओर से लाल दरवाजा स्थित वाटी वाली कुंज में सम्मेलन आयोजित किया गया। वयोवृद्ध पंडित घनश्याम हरियाणा की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में गौड़ समाज के 11 विप्रों को माला, दुशाला और भगवान परशुराम की छवि भेंटकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान परशुराम के चित्रपट पर कृष्ण बल्लभ मिश्रा, घनश्याम हरियाणा, सुरेंद्र शर्मा मुकुट वाले, दिवाकर आचार्य और नारायण प्रसाद शर्मा सहित उपस्थित लोगों द्वारा माल्यार्पण-स्वस्तिवाचन के साथ हुआ। सम्मेलन से पूर्व कुंज में विराजमान हनुमानजी के समक्ष हनुमान चालीसा का पाठ किया गया।

संस्था के सचिव ने मंडल की ओर से किए गए कार्यों की जानकारी दी। अध्यक्ष ने संगठन को मजबूत बनाने के लिए सदस्यता अभियान चलाने पर जोर दिया। मार्च में प्रस्तावित सम्मेलन को लेकर भी चर्चा की गई। आगामी बैठक में युवा टीम गठित करने की घोषणा की गई, ताकि संगठन की गतिविधियों को और गति दी जा सके। कार्यक्रम में ठाकुर द्वारकाधीश का प्रसाद वितरित किया गया।

सम्मानित होने वालों में अरिंगपाल शर्मा, घनश्याम हरियाणा, गोविंद गोस्वामी, मुकुट मणि शर्मा, अनिल शर्मा, देवकिशन शर्मा, डॉ. उमा शर्मा, भागवत आचार्य श्री विष्णु आचार्य, रविंद्र शर्मा, यतीश गौड़ और कृष्ण बल्लभ मिश्रा शामिल रहे। सम्मेलन में राकेश गौड़, नारायण प्रसाद शर्मा, गोविंद गौड़, गजेंद्र शर्मा, विष्णु कुमार शर्मा, पिंटू शर्मा मिश्रा, राकेश शर्मा एडवोकेट, संदीप कुमार, आशीष शर्मा और संजीव शर्मा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।



अखिल भारतीय गौड़ मंडल के सम्मेलन में सम्मानित विप्र बंधु।

अखिल भारतीय गौड़ मंडल के सम्मेलन में संगठन विस्तार और सदस्यता अभियान पर जोर

जीएलए की शोधार्थी मनीषा का ताइवान की प्रतिष्ठित फेलोशिप में चयन

एकेडेमिया सिनिका में गुरुत्वाकर्षण तरंगों पर करेंगी शोध, अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिकों के साथ काम करने का मिलेगा अवसर


मनीषा शर्मा


डॉ. मनोज कुमार सिंह

यूनिक समय, मथुरा। जीएलए विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग की पीएचडी शोधार्थी मनीषा शर्मा का ताइवान की प्रतिष्ठित टीआईजीपी-एक्स (एकेडेमिया सिनिका फेलोशिप) के लिए चयन हुआ है। इस फेलोशिप के तहत मनीषा ताइवान के प्रतिष्ठित शोध संस्थान एकेडेमिया सिनिका में रहकर गुरुत्वाकर्षण तरंगों की खोज और उनसे जुड़े वैज्ञानिक पहलुओं पर शोध करेंगी। उनकी इस उपलब्धि से विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान प्रयासों को नई पहचान मिली है।

फेलोशिप के दौरान मनीषा को अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिकों के साथ काम करने और अत्याधुनिक शोध सुविधाओं का लाभ उठाने का अवसर मिलेगा। वह अपने शोध को वैश्विक वैज्ञानिक समुदाय तक पहुंचा सकेंगी। विश्वविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर (रिसर्च) डॉ. मनोज कुमार सिंह ने बताया कि भौतिकी विभाग का ताइवान स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिक्स, एकेडेमिया सिनिका के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) है। इसी शैक्षणिक-अनुसंधान सहयोग के तहत दोनों संस्थान उच्चस्तरीय वैज्ञानिक शोध और शोधार्थियों के अंतरराष्ट्रीय अनुभव को बढ़ावा दे रहे हैं। इससे पहले जीएलए के दो शोधार्थी डॉ. शुभदीप कर्माकर और विवेक कुमार डार्क मैटर-न्यूट्रिनो भौतिकी से जुड़े विषयों पर शोध कर रहे हैं।

भौतिकी विभागाध्यक्ष प्रो. अनुज विजय ने कहा कि विभाग में डार्क मैटर, न्यूट्रिनो भौतिकी और गुरुत्वाकर्षण तरंगों जैसे आधुनिक वैज्ञानिक विषयों पर शोध को प्रोत्साहित किया जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ सहयोग से शोधार्थियों को वैश्विक स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने के अवसर मिल रहे हैं।

डीन रिसर्च एंड डेवलपमेंट प्रो. कमल शर्मा और डीन इंटरनेशनल कोलैबोरेशन प्रो. दिलीप शर्मा ने मनीषा को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कुलपति प्रो. अनूप गुप्ता और कुलसचिव अशोक कुमार सिंह ने भी इस उपलब्धि पर प्रसन्नता जताई। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय शोध संस्थानों के साथ सहयोग और युवा वैज्ञानिकों को प्रोत्साहन देना विश्वविद्यालय की शैक्षणिक प्रगति के लिए महत्वपूर्ण है।

बीएसएसीईटी के खिलाड़ियों ने 20 पदक जीतकर पाया दूसरा स्थान


एकेटीयू जोनल स्पोर्ट्स फेस्ट में विजयी खिलाड़ी।

एकेटीयू जोनल स्पोर्ट्स फेस्ट में चार स्वर्ण, नौ रजत और सात कांस्य पदक जीते, स्वर्ण विजेता राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में दिखाएंगे दमखम

यूनिक समय, मथुरा। एकेटीयू जोनल स्पोर्ट्स फेस्ट 2026–27 में बीएसए कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (बीएसएसीईटी), मथुरा के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर अपनी खेल प्रतिभा का लोहा मनवाया। आगरा के आरबीएस इंजीनियरिंग टेक्निकल कैंपस, बिचपुरी में आयोजित प्रतियोगिता में 18 महाविद्यालयों के खिलाड़ियों के बीच बीएसएसीईटी ने 20 पदक जीतकर ओवरऑल द्वितीय स्थान हासिल किया। संस्थान के खिलाड़ियों ने चार स्वर्ण, नौ रजत और सात कांस्य पदक अपने नाम किए।

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) की ओर से आयोजित प्रतियोगिता में बीएसएसीईटी के 53 खिलाड़ियों ने विभिन्न स्पर्धाओं में पदक जीतकर संस्थान का गौरव बढ़ाया।

स्वर्ण पदक जीतने वालों में बालक-बालिका कबड्डी, बालिका 100 मीटर दौड़ और बालक भाला फेंक शामिल रहे।

रजत पदकों में बालक वॉलीबॉल, बालक शतरंज, बालक 4.100 मीटर रिले रेस, बालक 100 मीटर दौड़, गोला फेंक, बालिका शतरंज, गोला फेंक, चक्का फेंक और 4.100 मीटर रिले रेस की उपलब्धियां शामिल रहीं। वहीं कांस्य पदक बालिका 800 मीटर दौड़, लंबी कूद, ऊंची कूद, भाला फेंक और बालक 200 मीटर, 800 मीटर दौड़ और चक्का फेंक में मिले।

संस्थान के चेयरमैन इंजीनियर नितिन मित्तल और वाइस चेयरमैन विशाल बंसल ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम हैं।

निदेशक प्रो. श्याम सुंदर अग्रवाल, डीन एकेडमिक प्रो. लोकेंद्र शर्मा और सीनियर रजिस्ट्रार भगवान सिंह ने भी इस उपलब्धि पर प्रसन्नता जताई। स्पोर्ट्स इंचार्ज सुरेश चंद्र और मनोज शर्मा ने बताया कि स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ी आगामी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे।

वेटलैंड इकोसिस्टम की बारीकियां समझने जोधपुर झाल पहुंचे 40 विद्यार्थी


वेटलैंड इकोसिस्टम की बारीकियां समझने को जोधपुर झाल में मौजूद विद्यार्थी।

कॉलेज ऑफ फिशरीज साइंस के विद्यार्थियों ने किया जैव विविधता और जलीय पारिस्थितिकी का अध्ययन

यूनिक समय, मथुरा। वेटलैंड जलीय जैव विविधता और पर्यावरण संतुलन का महत्वपूर्ण आधार हैं। इनके संरक्षण और वैज्ञानिक प्रबंधन को समझने के लिए वेटरनेरी यूनिवर्सिटी के कॉलेज ऑफ फिशरीज साइंस के 40 स्नातक विद्यार्थियों का दल शैक्षणिक भ्रमण पर जोधपुर झाल पहुंचा। यहां विद्यार्थियों ने वेटलैंड इकोसिस्टम, जलीय जीवों और पक्षियों के प्राकृतिक आवास की बारीकियों को समझा।

उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद और वन विभाग द्वारा विकसित जोधपुर झाल में विद्यार्थियों को मार्गदर्शन देते हुए बायोडायवर्सिटी रिसर्च एंड डेवलपमेंट सोसाइटी के इकोलॉजिस्ट डॉ. केपी सिंह ने बताया कि वेटलैंड का खाद्य पक्षियों की लगभग 60 प्रतिशत प्रजातियों को आश्रय प्रदान करता है। वेटलैंड का वैज्ञानिक प्रबंधन जैव विविधता संरक्षण की बुनियादी जरूरत है। इसमें फिशरीज साइंस के विद्यार्थियों की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है।

कॉलेज ऑफ फिशरीज साइंस के डीन प्रो. नित्यानंद पांडेय ने बताया कि शैक्षणिक कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को जनपद के प्रमुख वेटलैंड, ऐतिहासिक कुंड, बैराज और यमुना नदी के जलीय जीवों के पारिस्थितिकी तंत्र से परिचित कराया जा रहा है। भविष्य में विद्यार्थियों को जल प्रदूषण नियंत्रण और प्रबंधन के व्यावहारिक कार्यों से भी जोड़ा जाएगा। कॉलेज प्रवक्ता अंबरीश सिंह ने कहा कि किताबी ज्ञान के साथ फील्ड विजिट विद्यार्थियों के व्यावहारिक कौशल को विकसित करने के लिए जरूरी है। भ्रमण में प्रवक्ता साक्षी मौर्य, विनोद कुमार और वन विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे।

बाबा रामदेव अपनी वाणी पर संयम रखें : सौरभ गौड़

यूनिक समय, मथुरा। बाबा रामदेव द्वारा बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के प्रति की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों पर धर्म रक्षा संघ ने नाराजगी जताई है। संघ के सौरभ गौड़ ने कहा कि योग का संदेश देने वालों को अपनी वाणी में भी संयम और मर्यादा बनाए रखनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि योग केवल शरीर को साधने का माध्यम नहीं, बल्कि मन, वाणी और विचारों में संतुलन स्थापित करने का मार्ग भी है। धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार और धार्मिक जागरण के लिए कार्य कर रहे हैं। उनके किसी विचार से असहमति हो सकती है, लेकिन उसे मर्यादित भाषा और स्वस्थ संवाद के माध्यम से व्यक्त किया जाना चाहिए। उन्होंने बाबा रामदेव से अपनी टिप्पणियों पर पुनर्विचार करने और सार्वजनिक रूप से खेद व्यक्त करने की मांग की। साथ ही कहा कि धर्म रक्षा संघ धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के सम्मान और धार्मिक कार्यों के समर्थन में खड़ा है।

राजीव एकेडमी के विद्यार्थियों ने किया विक्टोरा इंडस्ट्रीज का भ्रमण


विक्टोरा इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड की कार्यप्रणाली को समझते राजीव एकेडमी के बीबीए के विद्यार्थी।

औद्योगिक भ्रमण में उत्पादन, गुणवत्ता नियंत्रण और आपूर्ति प्रबंधन की बारीकियां समझीं अधिकारियों से किया संवाद

यूनिक समय, मथुरा। राजीव एकेडमी फॉर टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट (आरएटीएम), मथुरा के बीबीए विभाग द्वारा पंचम सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए हरियाणा के फरीदाबाद स्थित विक्टोरा इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का औद्योगिक भ्रमण आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान के साथ औद्योगिक-व्यावसायिक कार्यप्रणाली का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना था।

विक्टोरा इंडस्ट्रीज शीट मेटल के पुर्जों, ऑटोमोबाइल असेंबली, एग्जॉस्ट सिस्टम के घटकों, मेटल स्टैम्पिंग, फोर्जिंग, सीएनसी मशीन से निर्मित पुर्जों और लिफ्ट के दरवाजों का निर्माण करती है। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने कम्पनी की उत्पादन इकाई, गुणवत्ता नियंत्रण प्रक्रिया, भंडार प्रबंधन और विभिन्न विभागों की कार्यप्रणाली को करीब से देखा। कम्पनी अधिकारियों ने विनिर्माण प्रक्रिया, मानक संचालन प्रक्रियाओं और प्रबंधन के व्यावहारिक उपयोग की जानकारी दी।

विद्यार्थियों को उत्पादन योजना, समय-सारणी, संसाधनों का अधिकतम उपयोग, उत्पादन लागत में कमी और कच्चे माल से तैयार उत्पादों की आपूर्ति तक की प्रक्रिया समझाई गई। साथ ही गुणवत्ता नियंत्रण, अपव्यय में कमी, निरंतर सुधार और समय पर सामग्री उपलब्ध कराने के महत्व से भी अवगत कराया गया। प्रश्नोत्तर सत्र में विद्यार्थियों ने अधिकारियों से सवाल पूछकर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान किया।

संस्थान के निदेशक डॉ. अमर कुमार सक्सेना ने कहा कि औद्योगिक भ्रमण विद्यार्थियों के व्यावहारिक ज्ञान और सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। वहीं चेयरमैन डॉ. रामकिशोर अग्रवाल ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान देने के साथ भविष्य की व्यावसायिक चुनौतियों के लिए तैयार करना भी है। उद्योगों से प्रत्यक्ष जुड़ाव उनमें आत्मविश्वास, निर्णय क्षमता और प्रबंधकीय कौशल विकसित करता है।

संविधान की प्रस्तावना पढ़कर मौलिक अधिकारों के प्रति जागरूक होंगे बच्चे

26 नवंबर को सभी स्कूलों में होगा एक स्वर एक संविधान कार्यक्रम


मंगलवार को एक स्वर- एक संविधान कार्यक्रम के बारे में जानकारी देती जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव अनीता सिंह।

यूनिक समय मथुरा। संविधान दिवस पर 26 नवंबर को जिले के सभी स्कूलों में एक स्वर- एक संविधान कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसके तहत छात्र-छात्राएं एक साथ संविधान की प्रस्तावना का पाठ करेंगे और अपने मौलिक अधिकारों एवं संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरूक होंगे। कार्यक्रम का आयोजन उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से किया जा रहा है। मुख्य कार्यक्रम संस्कार पब्लिक स्कूल, महोली रोड स्थित इंडस्ट्रियल एरिया में आयोजित होगा। इसकी अध्यक्षता जिला जज विकास कुमार करेंगे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव अनीता सिंह ने बताया कि बच्चों को उनके मौलिक अधिकारों की जानकारी होना बेहद जरूरी है। उन्हें पता होना चाहिए कि संविधान ने उन्हें कौन-कौन से अधिकार प्रदान किए हैं। इस कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों को संविधान की प्रस्तावना, संवैधानिक मूल्यों और अधिकारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी। जिले के प्रत्येक स्कूल में कार्यक्रम आयोजित होगा। इसमें न्यायिक, पुलिस-प्रशासनिक विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अन्य गणमान्य लोग भी शामिल होंगे। छात्र-छात्राएं एक साथ संविधान की प्रस्तावना का वाचन कर उसके मूल आदर्शों और सिद्धांतों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करेंगे।

बोरे पर लिखे शब्दों में छिपा हो सकता है हत्या का राज

यूनिक समय, मथुरा। हाईवे थाना क्षेत्र के ट्रांसपोर्ट नगर के निकट डंपिंग ग्राउंड में बोरे में बंद मिले युवक के शव की पहचान पुलिस के लिए चुनौती बनी हुई है। पुलिस को उम्मीद है कि जिस बोरे में शव को भरकर फेंका गया, वही हत्या की गुत्थी सुलझाने में अहम सुराग साबित हो सकता है। बोरे पर काली स्याही से हिंदी में कुछ शब्द लिखे हैं। पुलिस इन शब्दों को डी-कोड कर उनके स्त्रोत और मृतक की पहचान तक पहुंचने की कोशिश कर रही है।

अनाज मंडी के पीछे ट्रांसपोर्ट नगर के निकट डंपिंग ग्राउंड में युवक का शव सफेद रंग के बड़े प्लास्टिक के बोरे में बंद



मिला था। शव की स्थिति और शरीर पर चोट के निशान हत्या की आशंका को बल दे रहे हैं। मृतक के सिर के पिछले हिस्से में चोट का निशान मिला था, जबकि नाक से निकला खून जमा हुआ था। आशंका है कि सिर पर किसी नुकीली वस्तु से प्रहार कर युवक की हत्या की गई और बाद में शव को बोरे में बंद कर सुनसान स्थान पर फेंक दिया गया।

बोरे पर लिखी इबारत को डी-कोड करने में जुटी पुलिस

कबाड़ी या पुराने कपड़ों के कारोबार से जुड़ सकता है कनेक्शन

पुलिस के सामने सबसे बड़ी चुनौती मृतक की शिनाख्त करना है। इसके लिए बोरे पर लिखे शब्दों के साथ अन्य साक्ष्यों की भी पड़ताल की जा रही है। मृतक के फोटो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित कराए गए हैं। आसपास के जिलों में भी फोटो भेजकर पहचान कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस का मानना है कि मृतक की पहचान होने पर हत्यारों तक पहुंचने का रास्ता आसान हो सकता है। फिलहाल पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

सीओ रिफाइनरी प्रवीण तिवारी ने बताया कि शव की पहचान कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही हैं। बोरे को भी अहम सुराग मानकर जांच की जा रही है। शव की पहचान होने के बाद हत्या का खुलासा करने के प्रयास किए जाएंगे।

कबाड़ी या पुराने कपड़ों के कारोबारी तक पहुंच सकती है जांच

ट्रांसपोर्ट नगर में मिले शव की गुत्थी सुलझाने के लिए पुलिस बोरे के स्त्रोत का पता लगाने में जुटी है। जिस तरह के सफेद प्लास्टिक के बोरे में शव मिला है, उनका इस्तेमाल कबाड़ी और पुराने कपड़ों का कारोबार करने वाले व्यापारी भी करते हैं। ऐसे में पुलिस इस संभावना को भी ध्यान में रखकर जांच कर रही है कि मृतक अथवा हत्यारों का संबंध कबाड़ या पुराने कपड़ों के कारोबार से हो सकता है। पुलिस क्षेत्र के कबाड़ और पुराने कपड़ों के कारोबारियों से जानकारी जुटा रही है कि इस तरह के बोरे का इस्तेमाल कौन-कौन करता है। बोरे पर लिखे शब्दों और उसके स्त्रोत का पता चलने से जांच को दिशा मिल सकती है। सौंख रोड पर कबाड़ और रीसाइक्लिंग के कई बड़े गोदाम हैं। इसके अलावा प्लास्टिक का सामान बनाने वाली फैक्ट्रियां भी हैं। पुलिस इन संभावित कड़ियों को जोड़कर जांच आगे बढ़ा रही है।

शादी से लौट रहे बाइक सवार की खंभे से टकराकर मौत

यूनिक समय, मथुरा। जैंत थाना क्षेत्र में रामताल के समीप देर रात हुए सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। शादी समारोह से घर लौटते समय उसकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे से टकरा गई। हादसे में गांव बाटी निवासी वीरेंद्र की जान चली गई। युवक की मौत से परिवार में कोहराम मच गया।

जानकारी के अनुसार, वीरेंद्र पुत्र ओमप्रकाश थाना जैंत क्षेत्र के गांव नारायणपुर में आयोजित शादी समारोह में शामिल होने गए थे। देर रात बाइक से अपने गांव बाटी लौट रहे थे। रास्ते में रामताल के समीप अचानक बाइक



मृतक वीरेंद्र का फाइल फोटो।

अनियंत्रित हो गई और बिजली के खंभे से जा टकराई। टक्कर इतनी तेज थी कि वीरेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गए और उनकी मौत हो गई।

रामताल के समीप रात में हुआ हादसा, सुबह राहगीरों ने देखा शव

दो मासूम बच्चों के सिर से उठा पिता का साया

रात में हादसा होने के कारण तत्काल किसी को इसकी जानकारी नहीं हो सकी। सुबह उधर से गुजर रहे राहगीरों की नजर क्षतिग्रस्त बाइक और खंभे के पास पड़े युवक पर पड़ी। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची जैंत पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त कराई और परिजनों को सूचना दी।

वीरेंद्र की मौत की खबर मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। मृतक अपने पीछे दो छोटे बच्चों को छोड़ गए हैं। पिता की असमय मौत से बच्चों के सिर से साया उठ गया। परिवार के कमाऊ सदस्य को खोने से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

थानाध्यक्ष शिव प्रसाद सिंह ने बताया कि रामताल के पास सड़क दुर्घटना में बाइक सवार की मौत की सूचना मिली थी। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पुरानी बगीची की भूमि पर बनेगी भव्य महर्षि दयानंद वाटिका

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर के देहली गेट निकासा स्थित पुरानी बगीची की भूमि पर वर्षों से पड़ा कूड़े का ढेर अब ज्ञान और संस्कार का केंद्र बनेगा। यहां आर्य समाज कोसीकलां द्वारा भव्य महर्षि दयानंद वाटिका के निर्माण के लिए भूमि पूजन कर आधारशिला रखी गई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण के प्रतिनिधि नरदेव चौधरी रहे। उन्होंने वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच ईंट रखकर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस मौके पर नरदेव चौधरी ने कहा कि महर्षि स्वामी दयानंद सरस्वती ने समाज को पाखंडवाद से मुक्त कर वेदों की ओर लौटने का संदेश दिया था। यह वाटिका सिर्फ एक पार्क नहीं, बल्कि हमारे युवाओं के लिए संस्कारशाला होगी। पालिकाध्यक्ष धर्मवीर अग्रवाल के सहयोग से नगर के बीचों-बीच यह जो कूड़ा घर था, उसे अब हम सुंदर वाटिका में बदल रहे हैं। यह भाजपा सरकार की विकास की सोच है।

भाजपा नेता तरुण सेठ ने कहा कि वर्षों से यहां डलावघर होने से लोगों को भारी परेशानी होती थी। अब यहां वाटिका बनने से पूरे नगर को एक सुंदर स्थान मिलेगा। इस मौके पर आर्य समाज के संरक्षक ओमप्रकाश आर्य, प्रधान डॉ. प्रकाश आर्य, संस्थापक सदस्य राजेंद्र आर्य, भाजपा मंडल अध्यक्ष सौरभ जैन, अग्रवाल सभा के पूर्व अध्यक्ष वेदप्रकाश गोयल, डॉ. नरेश मंगला, कन्हैयालाल गोयल, राहुल जैन, प्रवीण आर्य, सुभाष गोयल, हरिओम गुप्ता, मंत्री सुरेंद्र आर्य, प्रबंधक सोनू आर्य, सत्यप्रकाश आर्य, अजय आर्य, विनय आर्य सहित सैकड़ों गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

23 घाटों पर हजारों दीपों से जगमगाई कान्हा की नगरी



कार्तिक पूर्णिमा पर विश्राम घाट पर दीपदान करते श्रद्धालु।

कृष्ण गंगा घाट से ध्रुव घाट तक यमुना तट पर सजी दीपों की अनुपम छटा

यूनिक समय, मथुरा। ऐसा लगा मानो आसमान के तारे धरती पर उतर आए हों। यमुना की लहरों के किनारे जगमगाते हजारों दीप, रंग-बिरंगी रंगोलियां और घंटा-घड़ियालों की गूंज ने कान्हा की नगरी को अलौकिक आभा से भर दिया। कार्तिक पूर्णिमा पर देव दीपावली का पर्व श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। शाम ढलते ही कृष्ण गंगा घाट से ध्रुव घाट तक यमुना के 23 घाट दीपों की रोशनी से जगमगा उठे। हजारों विद्यार्थियों और समाजसेवियों ने दीपदान कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

देव दीपावली महोत्सव का शुभारंभ विश्वप्रसिद्ध विश्राम घाट पर ब्रज के संतों, धर्माचार्यों और गणमान्य अतिथियों की मौजूदगी में हुआ। वैदिक

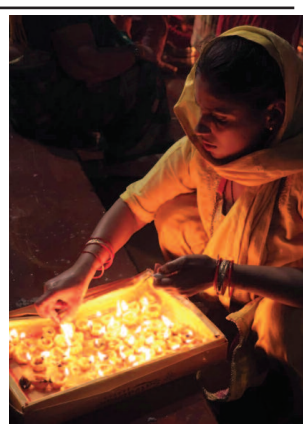

मंत्रोच्चार के बीच दीप प्रज्वलित किए गए। इसके बाद यमुना महारानी की महाआरती हुई। आरती के दौरान दीपों से सजे घाट, यमुना की लहरों पर पड़ती रोशनी और घंटा-घड़ियालों की गूंज ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। घाटों का मनोहारी दृश्य देखने और कैमरों में कैद करने के लिए श्रद्धालुओं में खासा उत्साह दिखाई दिया।

प्रकाश पर्व पर गुरुद्वारा बना आस्था का केन्द्र हर्षोल्लास से मनी गुरु नानक जयंती

यूनिक समय, कोसीकलां। सिख धर्म के प्रथम गुरु और संस्थापक गुरु नानक देव का 557वां प्रकाश पर्व नगर में बड़े ही हर्षोल्लास और श्रद्धा भाव के साथ मनाया गया। इस मौके पर नगर का मुख्य गुरुद्वारा आस्था और रोशनी से जगमगा उठा। सुबह से ही गुरुद्वारे में मत्था टेकने के लिए संगत का तांता लगा रहा। जयंती की शुरुआत तड़के सुबह प्रभात फेरी से हुई। पंज प्यारों की अगुवाई में निकली प्रभात फेरी में श्रद्धालु वाहे गुरु जी का खालसा, वाहे गुरु जी की फतेह के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। प्रभात फेरी नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए गुरुद्वारे पर समाप्त हुई। गुरुद्वारे में विशेष दीवान सजाया गया। इस मौके पर गुरुद्वारा के प्रधान इंद्रजीत उर्फ पप्पू ने कहा कि गुरु नानक देव ने जात-पात, ऊंच-नीच को मिटाकर एक ओंकार और मानवता की सेवा का संदेश दिया। उनका मूल मंत्र है नाम जपो, किरत करो और वंड छको। दोपहर में गुरुद्वारा कमेटी की ओर से विशाल लंगर का आयोजन किया गया। लंगर में नगर के सैकड़ों लोगों ने एक साथ बैठकर प्रसाद ग्रहण किया। लंगर में हर वर्ग के लोगों ने भाग लेकर समानता का संदेश दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में गुरुद्वारा कमेटी के सभी सेवादारों का विशेष सहयोग रहा।

हादसे में घायल युवक ने इलाज के दौरान दम तोड़ा

यूनिक समय, मथुरा। अलीगढ़ में सड़क दुर्घटना में घायल हुए महावन निवासी युवक की मथुरा के अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। युवक की मौत से परिवार में शोक छा गया।

जानकारी के अनुसार, महावन कस्बे के एक मोहल्ला निवासी विशाल वाल्मीकि (25) अलीगढ़ में सड़क हादसे में घायल हो गए थे। परिजन उन्हें उपचार के लिए मथुरा ले आए थे। यहां एक अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था।

मंगलवार को उपचार के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। सूचना पर पहुंची महावन पुलिस ने शव का पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

तरौली के दंगल में 11 हजार की कुश्ती बराबरी पर छूटी

यूनिक समय, तरौली। भगवान कार्तिकेय (स्वामी बाबा) की तपोस्थली गांव तरौली में आयोजित भव्य कुश्ती दंगल में पहलवानों ने अपने दमखम और कुश्ती कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए नामी पहलवानों के मुकाबले देखने के लिए हजारों की संख्या में ग्रामीण और आसपास के क्षेत्रों के दर्शक उमड़े।

दंगल का शुभारंभ अपराह्न करीब तीन बजे हुआ। कमेटी की ओर से पहली कुश्ती एक हजार रुपये और अंतिम सबसे बड़ी कुश्ती 11 हजार रुपये की रखी गई। तरौली के लखन पहलवान ने आगरा के सोनू पहलवान को पछाड़कर 5100 रुपये की कुश्ती जीती। वहीं 6100 रुपये की कुश्ती में मोहित पहलवान जानू ने परवेश



गांव तरौली के दंगल में पहलवानों के हाथ मिलवाते पूर्व जिला पंचायत सदस्य जितेंद्र सिंह एडवोकेट और अन्य।

पहलवान को चित कर जीत दर्ज की। सेही के सचिन पहलवान ने आगरा के अमित पहलवान को पराजित किया।

दंगल का सबसे रोमांचक मुकाबला तरौली के गौरव पहलवान और दीपक पहलवान के बीच 11 हजार रुपये की इनामी राशि के लिए हुआ। दोनों ने एक-दूसरे को कड़ी टक्कर दी और काफी देर तक दांव-पेच आजमाए, लेकिन कोई भी दूसरे को चित नहीं कर सका। अंततः मुकाबला बराबरी पर छूटा।

दिल्ली, हरियाणा राजस्थान और यूपी के पहलवानों ने दिखाए दांव-पेच

दंगल कमेटी की ओर से अतिथियों का पगड़ी और पटुका पहनाकर स्वागत किया गया।

पूर्व जिला पंचायत सदस्य जितेंद्र सिंह एडवोकेट सहित स्थानीय नेताओं और समाजसेवियों ने पहलवानों के हाथ मिलवाकर उनका उत्साहवर्धन किया। दंगल में भरत सिंह प्रधान, राजवीर सिंह, पूर्व प्रधान पूरन सिंह, मटोली दूधिया, निहाल सिंह, जितेंद्र सिंह एडवोकेट और हरिओम डीलर ने रेफरी की भूमिका निभाई। संचालन ग्राम प्रधान मूलचंद सिसोदिया ने किया।

सुविचार

छोटी-छोटी खुशियों को जीना सीख लो क्योंकि जिंदगी दोबारा वही खूबसूरत पल नहीं लौटाती।

कल का पंचांग

तिथि	प्रतिपदा	08:23-04:50 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष	
नक्षत्र	रोहिणी	11:25-08:36 तक	माह	मार्गशीर्ष	
सूर्योदय		6:48 AM	चन्द्रोदय	06:01 AM	
सूर्यास्त		5:25 PM	चंद्रास्त	07:25 PM	
सूर्य राशि		वृश्चिक राशि	चंद्र	वृष राशि	
शुभ मुहूर्त		11:19AM –12:02 PM	ब्रहम् मुहूर्त	05:01-05:54	
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083	
राहुकाल		12:07 PM: 01:26 PM	वार	बुधवार	

ब्रज के मंदिरों के दर्शन



ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

25 नवंबर से शुरू होगा श्रीकृष्ण की कृपा पाने का खास महीना मार्गशीर्ष

अगहन में रोज करें श्रीमद्भागवत गीता पाठ, बरसेगी हरि कृपा



यूनिक समय, मथुरा। मार्गशीर्ष माह का शुभारंभ 25 नवंबर, बुधवार से होने जा रहा है। हिंदू पंचांग में इस महीने को बेहद पुण्यदायी माना गया है। इसे अगहन के नाम से भी जाना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यह महीना भगवान श्रीकृष्ण को अत्यंत प्रिय है। यही वजह है कि इस दौरान श्रीकृष्ण और लड्डू गोपाल की विशेष पूजा-अर्चना के साथ श्रीमद्भागवत गीता के पाठ का विशेष महत्व बताया गया है। मान्यता है कि पूरे महीने श्रद्धा और नियमपूर्वक पूजा करने से भगवान विष्णु और श्रीकृष्ण की कृपा प्राप्त होती है।

मार्गशीर्ष माह में सुबह ब्रह्म मुहूर्त में स्नान करना शुभ माना जाता है। गंगा और यमुना जैसी पवित्र नदियों में स्नान का विशेष महत्व है। नदी तक पहुंचना संभव न हो तो घर पर पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान किया जा सकता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, तुलसी भगवान श्रीकृष्ण को प्रिय हैं। इसलिए इस महीने तुलसी पूजन, पौधे को जल अर्पित करने और शाम को घी का दीपक जलाने का विधान है। पीपल के पेड़ की सेवा और दीपदान भी शुभ माना जाता है।

इस महीने लड्डू गोपाल का पंचामृत से अभिषेक कर उन्हें नए वस्त्र पहनाने और माखन-मिश्री व तुलसी दल का भोग लगाने की परंपरा है। पूजा के दौरान शंख पूजन और भगवान श्रीकृष्ण के मंत्रों का जाप भी किया जाता है।

मार्गशीर्ष में प्रतिदिन श्रीमद्भागवत गीता का एक अध्याय पढ़ना विशेष फलदायी माना जाता है। समय की कमी होने पर विष्णु सहस्त्रनाम या श्री विष्णु चालीसा का पाठ किया जा सकता है। तुलसी की माला से 'ॐ नमो भगवते वासुदेवाय' मंत्र का जाप भी किया जाता है। मान्यता है कि महाभारत युद्ध के दौरान भगवान श्रीकृष्ण ने मार्गशीर्ष शुक्ल एकादशी को अर्जुन को गीता का उपदेश दिया था। इसी उपलक्ष्य में गीता जयंती मनाई जाती है। इस महीने सात्विक भोजन करने, क्रोध और झूठ से बचने तथा प्याज-लहसुन और नशीले पदार्थों से दूर रहने की सलाह दी जाती है। सर्दी के मौसम को देखते हुए जरूरतमंदों को कंबल, गर्म कपड़े, अन्न, तिल और गुड़ का दान करना भी पुण्यकारी माना गया है।

अगहन मास में भूलकर भी न करें ये गलतियां

25 नवंबर से बदल जाएगी पूजा की दिनचर्या

JAIGURUDEV MULTISPECIALITY HOSPITAL
मथुरा में सबसे कम दरों पर समस्त स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएँ उपलब्ध
हमारी टीम के अनुभवी एवं विशेषज्ञ डॉक्टर

डॉ. अनिल कुमार गौतम M.B.B.S, M.D., MEDICINE (CONSULTANT PHYSICIAN)	डॉ. दुर्गेश कुमार M.B.B.S, D.N.B., ORTHO-SUR. JOINT REPLACEMENT	डॉ. वी. के. पांडे M.B.B.S. M.S. Ortho
डॉ. संदीप गोवर्धन चौहान M.B.B.S, D.N.B., NEURO SURGEON	डॉ. इला अग्रवाल M.B.B.S. M.S. Ortho	डॉ. एकता थडानी M.B.B.S., DNB. (OBGY)
डॉ. सी. एम. मवार M.B.B.S. DVD. MIADVI	डॉ. नितेश जिंदल MBBS, MD, MEDICINE	डॉ. नरेश अग्रवाल M.B.B.S., D.C.H
डॉ. अर्पण मौर्य M.B.B.S., M.S. (SURGERY) F.M.A.S F.I.A.G.E.S GERASER SURGO &	डॉ. मनदीप यादव D.P.T B.P.T	डॉ. चेतना अग्रवाल B.D.S., MIDA
डॉ. हरि प्रसाद (B.H.M.S) CONSULTANT HOMOEOPATH	डॉ. एम. माहेश्वरी M.B.B.S. (MS) OPTHOLMALOGY	आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत ₹5 लाख तक का नि:शुल्क उपचार आयुष्मान कार्ड धारकों का स्वागत है

आपातकालीन मो.नं. 7078877006
8650777901, 8953925593
Maholi Link Road, Mathura (U.P.)

पूजा का सामान और तुलसी का गमला सीधे फर्श पर रखना वास्तु में अशुभ

यूनिक समय, मथुरा। घर में सामान रखने का तरीका भी वास्तु शास्त्र में महत्वपूर्ण माना गया है। मान्यता है कि कुछ वस्तुओं को सीधे फर्श पर रखने के बजाय साफ और ऊंचे स्थान पर रखना चाहिए। इनमें पूजा का सामान, जलता हुआ दीपक, रुपये-पैसे और तुलसी का गमला शामिल हैं। भगवान की मूर्तियां, शंख और घंटी को लकड़ी की चौकी या साफ आसन पर रखें। दीपक के लिए स्थिर आधार का इस्तेमाल करें और उसे ज्वलनशील वस्तुओं से दूर रखें। वहीं पर्स और धन को अलमारी या तिजोरी में व्यवस्थित रखें। तुलसी के गमले को साफ चबूतरे या मजबूत स्टैंड पर रखना बेहतर माना जाता है।

भगवान विष्णु के शरीर से प्रकट हुई उत्पन्ना एकादशी देवी, मुर राक्षस का किया था अंत

यूनिक समय, मथुरा। मार्गशीर्ष माह की पहली एकादशी यानी उत्पन्ना एकादशी का व्रत 4 दिसंबर, शुक्रवार को रखा जाएगा। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इसी दिन भगवान विष्णु के शरीर से एकादशी देवी प्रकट हुई थीं। उन्होंने मुर नामक राक्षस का वध कर विश्राम कर रहे श्रीहरि के प्राणों की रक्षा की थी।

तभी से इस तिथि को उत्पन्ना एकादशी के रूप में मनाया जाता है। मान्यता है कि इस दिन व्रत और भगवान विष्णु की पूजा करने से पापों से मुक्ति तथा पुण्य की प्राप्ति होती है।

पंचांग के अनुसार, एकादशी तिथि 3 दिसंबर की रात 11:03 बजे शुरू होकर 4 दिसंबर की रात 11:44 बजे समाप्त होगी। इस दिन आयुष्मान और सौभाग्य योग का संयोग रहेगा। ब्रह्म मुहूर्त सुबह 5:10 से 6:04 बजे तक और अभिजीत मुहूर्त सुबह 11:50 से दोपहर 12:32 बजे तक रहेगा।

उत्पन्ना एकादशी व्रत का पारण 5 दिसंबर, शनिवार को सुबह 6:59 से 9:04 बजे के बीच किया जाएगा। धार्मिक मान्यता है कि एकादशी व्रत से भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती है। इस दिन श्रद्धालु व्रत रखकर श्रीहरि के साथ एकादशी देवी की पूजा-अर्चना करते हैं।

जयंती पर विशेष: गुरु नानक देव जी ने दिया समानता और मानवता का संदेश

'सच्चा सौदा' से कायम की सेवा की मिसाल



यूनिक समय, मथुरा। गुरु नानक देव जी सिख धर्म के संस्थापक और प्रथम गुरु थे। उनका पूरा जीवन मानवता, प्रेम, समानता और सेवा की भावना को समर्पित रहा। वर्ष 1469 में तलवंडी गांव में जन्मे गुरु नानक देव जी को बचपन से ही आध्यात्मिक विषयों में गहरी रुचि थी। उनका जन्मस्थान आज पाकिस्तान में ननकाना साहिब के नाम से प्रसिद्ध है। उन्होंने समाज में फैले जातिगत भेदभाव, ऊंच-नीच और धार्मिक आडंबरों का विरोध करते हुए इंसानियत को सबसे बड़ा धर्म बताया।

गुरु नानक देव जी के जीवन से जुड़ी सबसे चर्चित घटनाओं में 'सच्चा सौदा' का विशेष स्थान है। मान्यता के अनुसार, उनके पिता ने उन्हें व्यापार करने के लिए रुपये दिए थे। रास्ते में भूखे साधुओं को देखकर उन्होंने व्यापार के बजाय उन रुपयों से उनके लिए भोजन की व्यवस्था कर दी। उन्होंने इसे ही सच्चा सौदा बताया। यह घटना उनके सेवा और परोपकार के विचारों को दर्शाती है। गुरु नानक देव जी ने ईश्वर की एकता का संदेश देते हुए 'एक ओंकार' का सिद्धांत प्रस्तुत किया। उनका मानना था कि ईश्वर एक है और सभी मनुष्य समान हैं। उन्होंने अपने विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए लंबी यात्राएं कीं, जिन्हें चार उदासियों के नाम से जाना जाता है। इन यात्राओं में उनके साथी भाई मरदाना भी साथ रहे, जो रबाब बजाकर उनकी वाणी का गायन करते थे। गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं ने धर्म और समाज के बीच प्रेम तथा सद्भाव का रास्ता दिखाया।

गुरु नानक देव जी ने जीवन को बेहतर बनाने के लिए तीन प्रमुख सिद्धांत दिए-नाम जपो, किरत करो और वंड छको। अर्थात ईश्वर का स्मरण करो, ईमानदारी से मेहनत करो और अपनी कमाई तथा भोजन दूसरों के साथ बांटकर खाओ। उन्होंने सामूहिक भोजन यानी लंगर की परंपरा को बढ़ावा दिया, जहां सभी लोग बिना किसी भेदभाव के एक साथ बैठकर भोजन करते हैं। जीवन के अंतिम वर्षों में उन्होंने करतारपुर में निवास किया और संगत तथा सेवा की परंपरा को आगे बढ़ाया। उनकी वाणी आज भी सिखों के पवित्र ग्रंथ गुरु ग्रंथ साहिब में संकलित है और करोड़ों लोगों को सत्य, सेवा तथा सद्भाव का मार्ग दिखाती है।

मानवता को बनाया धर्म, सेवा को बनाया जीवन का आधार

बचपन से ही आध्यात्मिक चिंतन में लीन रहते थे प्रथम सिख गुरु

चार उदासियों के जरिए दुनिया को बताया एक ओंकार का महत्व

नाम जपो, किरत करो और वंड छको थी जीवन की सीख

मक्का में काबा घूमने की चमत्कारिक कथा

प्रचलित जनमसाखी के अनुसार, गुरु नानक देव जी मक्का में विश्राम कर रहे थे। उनके पैर काबा की ओर थे। एक व्यक्ति ने इस पर आपत्ति जताई और पैर दूसरी दिशा में करने को कहा। मान्यता है कि जिस दिशा में उनके पैर घुमाए गए, काबा उसी दिशा में दिखाई देने लगा। इस कथा के माध्यम से गुरु नानक ने समझाया कि ईश्वर किसी एक दिशा या स्थान तक सीमित नहीं है।

विशाल पत्थर पर उभर आई गुरु की हथेली

पाकिस्तान के हसन अब्दाल स्थित पंजा साहिब से जुड़ी मान्यता के अनुसार, गुरु नानक देव जी ध्यान कर रहे थे। तभी एक विशाल पत्थर उनकी ओर लुढ़कता हुआ आया। कहा जाता है कि उन्होंने उसे अपने हाथ से रोक दिया और पत्थर पर उनकी हथेली की छाप बन गई। आज यह स्थान गुरुद्वारा पंजा साहिब के नाम से प्रसिद्ध है और सिख श्रद्धालुओं के लिए विशेष आस्था का केंद्र है।

ठग और राक्षस का भी बदल दिया हृदय

जनमसाखियों में सज्जन ठग और कौड़ा राक्षस के हृदय परिवर्तन की कथाएं मिलती हैं। सज्जन यात्रियों को धर्मशाला में ठहराकर लूटता था। गुरु नानक की वाणी सुनकर उसने गलत रास्ता छोड़ दिया। इसी तरह कौड़ा राक्षस के भी गुरु के उपदेशों से बदलने की मान्यता है। इन कथाओं का संदेश है कि प्रेम, सच्चाई और सद्भाव से बुरे से बुरे इंसान का भी परिवर्तन संभव है।

गरीब की रोटी से निकला दूध, अमीर के भोजन से खून

भाई लालो और मलिक भागो से जुड़ी कथा काफी प्रसिद्ध है। गुरु नानक देव जी ने गरीब बढ़ई भाई लालो के घर सादा भोजन किया, लेकिन मलिक भागो के निमंत्रण को स्वीकार नहीं किया। कथा के अनुसार, भाई लालो की रोटी से दूध और मलिक भागो के भोजन से खून निकलता दिखाई दिया। इसके जरिए उन्होंने ईमानदारी की कमाई और मेहनतकश इंसान के सम्मान का संदेश दिया।

सम्पादकीय

डांट से नहीं, समझदारी से खुलते हैं बच्चों के सफलता के रास्ते

बच्चे पढ़ाई नहीं करना चाहते या पढ़ाई का माहौल उन्हें समझ नहीं आता? अक्सर माता–पिता और शिक्षकों के पास इसका एक ही इलाज होता है–डांट, नसीहत और अनुशासन का डंडा। बच्चा कक्षा में नहीं बैठा तो लापरवाह, सवाल दोबारा पूछ लिया तो ध्यान नहीं देता और अपनी परेशानी बता दी तो बहानेबाज! यानी बड़ों की नजर में गलती चाहे जिसकी हो, कटघरे में हमेशा बच्चा ही खड़ा होगा।



पवन गौतम
संपादक

एक 18 वर्षीय छात्रा की कहानी इस सोच को आईना दिखाती है। विश्वविद्यालय का माहौल, उपस्थिति की सख्ती और शिक्षकों का व्यवहार उसके लिए पढ़ाई से बड़ा तनाव बन गया। बात इतनी बढ़ी कि विश्वविद्यालय जाने के नाम से ही वह घबराने लगी। पिता ने उपचार कराया, समझाया और हर संभव कोशिश की, लेकिन समस्या की जड़ तक पहुंचने में वक्त लगा। असल परेशानी यह थी कि उसे पढ़ाया तो जा रहा था, लेकिन समझाया नहीं जा रहा था।

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

शिक्षकों को लगता था कि छात्रा पहली बार में बात क्यों नहीं समझती? शायद उन्हें यह समझने की फुर्सत नहीं थी कि हर विद्यार्थी का सीखने का तरीका एक जैसा नहीं होता। कक्षा में पढ़ाना और विद्यार्थी तक बात पहुंचाना दो अलग–अलग काम हैं। सिर्फ उपस्थिति पंजिका भरने से शिक्षक की जिम्मेदारी पूरी नहीं हो जाती। हालांकि पिता ने भी अपनी भूमिका बदली। बेटी पर फैसले थोपने के बजाय उसकी बात सुनना शुरू किया। विश्वविद्यालय ने व्यक्तिगत मार्गदर्शक नियुक्त किया। धीरे–धीरे छात्रा का आत्मविश्वास लौटा और उसकी उपस्थिति शत–प्रतिशत हो गई। यानी जिस बच्ची को कभी विश्वविद्यालय से निकालने की नौबत बताई जा रही थी, वही अब नियमित छात्रा बन गई।

विडंबना देखिए, हम बच्चों से उम्मीद करते हैं कि वे हमारी हर बात समझें, लेकिन उनकी एक बात समझने के लिए तैयार नहीं होते। अंक कम आएं तो तुलना, सवाल ज्यादा पूछें तो डांट और चुप रहें तो लापरवाही का तमगा। जबकि बच्चे को सबसे पहले यह भरोसा चाहिए कि कोई उसकी बात सुनेगा, उसे गलत ठहराने से पहले समझेगा।

निष्कर्ष यही है कि बच्चों को हर वक्त सुधारने की नहीं, कभी–कभी समझने की जरूरत होती है। क्योंकि डांट से उपस्थिति तो लगवाई जा सकती है, लेकिन सीखने की इच्छा नहीं जगाई जा सकती।

नजरिया

चुनावी झटके से घिरे भजनलाल शर्मा अपनों की नाराजगी बनी नई मुसीबत

बोध प्रकाश सगुणी

राजस्थान की राजनीति में ऊंट किस करवट बैठेगा, इसका अंदाजा लगाना आसान नहीं है। यहां कभी मुख्यमंत्री अपनी पूरी पारी खेलता है तो कभी पार्टी के भीतर उठती नाराजगी सत्ता के समीकरण बदल देती है। अब मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के सामने भी कुछ ऐसी ही परिस्थितियां खड़ी होती दिखाई दे रही हैं। पंचायत चुनावों के नतीजों ने भाजपा को ऐसा आईना दिखाया है, जिसमें विपक्ष की मजबूती के साथ सत्ताधारी दल की कमजोरियां भी साफ नजर आ रही हैं। सवाल है कि क्या जनता ने भजनलाल के नेतृत्व को नकार दिया है या भाजपा की जमीनी राजनीति में कहीं बड़ी चूक हुई है?

भाजपा ने विधानसभा चुनाव में 115 सीटें जीतकर कांग्रेस को सत्ता से बाहर किया था। उस समय केंद्रीय नेतृत्व ने कई राजनीतिक दिग्गजों को पीछे छोड़ते हुए पहली बार विधायक बने भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी सौंपी थी। यह फैसला चौंकाने वाला था। पार्टी ने नए चेहरे पर भरोसा जताकर राजस्थान में नया राजनीतिक प्रयोग किया, लेकिन मुख्यमंत्री बनना और पूरी पार्टी को साथ लेकर चलना दो अलग–अलग बातें हैं। अब चुनावी नतीजे इसी राजनीतिक परीक्षा की ओर इशारा कर रहे हैं। लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा राजस्थान की सभी 25 सीटें जीतने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरी थी, लेकिन उसे केवल 14 सीटें मिलीं। कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने 11 सीटें हासिल कर भाजपा को बड़ा झटका दिया। इसके बाद शहरी निकाय चुनावों में भी भाजपा को एकतरफा सफलता नहीं मिली। प्रदेश के 7,475 वार्डों में भाजपा को 3,054 और कांग्रेस को 2,786 सीटें मिलीं। निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी 1,635 वार्डों में जीत दर्ज की। अब पंचायत चुनावों में कांग्रेस की बढ़त ने भाजपा की चिंता और बढ़ा दी है।

पंचायत समिति के 7,543 वार्डों में कांग्रेस ने 3,758 सीटें जीतकर भाजपा को 2,213 सीटों पर समेट दिया। जिला परिषद की 1,275 सीटों में कांग्रेस को 794 और भाजपा को 357 सीटें मिलीं। 37 जिलों में से 23 में कांग्रेस ने बहुमत हासिल किया, जबकि भाजपा केवल पांच जिलों में बहुमत पा सकी। ये आंकड़े बताते हैं कि ग्रामीण इलाकों में भाजपा के सामने चुनौती बढ़ रही है।

भाजपा की मुश्किल केवल कांग्रेस तक सीमित नहीं रही। पश्चिमी राजस्थान में हनुमान बेनीवाल की राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी और आदिवासी क्षेत्रों में भारत आदिवासी पार्टी ने भी अपनी ताकत दिखाई। मुख्यमंत्री के विधानसभा क्षेत्र सांगानेर में भी क्षेत्रीय दल के उम्मीदवारों की जीत ने राजनीतिक चर्चा को हवा दे दी। आखिर जिस इलाके को मुख्यमंत्री की अपनी राजनीतिक जमीन माना जाता है, वहां भी भाजपा को अपेक्षित सफलता क्यों नहीं मिली? क्या स्थानीय कार्यकर्ताओं और मतदाताओं के बीच संवाद कमजोर पड़ गया है? पार्टी की परेशानी चुनावी नतीजों के साथ अंदरूनी नाराजगी भी है। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का अपना राजनीतिक प्रभाव और समर्थकों का मजबूत आधार है। ऐसे में उनकी नाराजगी को सामान्य टिप्पणी मानकर नजरअंदाज करना आसान नहीं। झालावाड़ में पेयजल संकट को लेकर अधिकारियों को सार्वजनिक रूप से फटकार लगाने की घटना ने सरकार की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए थे। राजस्थान में वसुंधरा राजे की राजनीतिक अहमियत को देखते हुए उनके तेवरों को भी सियासी संकेत के रूप में देखा गया।

दूसरी ओर कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा का इस्तीफा प्रकरण भी सरकार के लिए असहज स्थिति लेकर आया। लोकसभा चुनाव में अपेक्षित परिणाम नहीं मिलने के

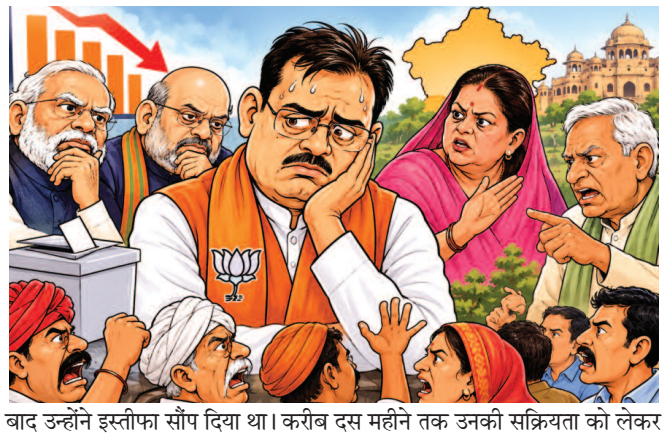

बाद उन्होंने इस्तीफा सौंप दिया था। करीब दस महीने तक उनकी सक्रियता को लेकर सवाल उठते रहे। केंद्रीय नेतृत्व के हस्तक्षेप के बाद उन्होंने दोबारा कामकाज संभाला। यह घटनाक्रम बताता है कि सरकार और संगठन के भीतर तालमेल बनाए रखना मुख्यमंत्री के लिए बड़ी चुनौती रहा है।

इसके अलावा पूर्व विधायकों, सांसदों और कार्यकर्ताओं की शिकायतें भी सामने आती रही हैं। चुनाव के समय यही कार्यकर्ता घर–घर जाकर पार्टी के लिए वोट मांगते हैं, लेकिन सत्ता में आने के बाद यदि उन्हें अपनी बात रखने के लिए बड़े नेताओं के दरवाजे खटखटाने पड़ें तो संगठन की मजबूती पर सवाल उठना स्वाभाविक है। दिल्ली से निर्देश देना आसान है, मगर गांव की चौपाल पर नाराज बैठे कार्यकर्ता को मनाना मुश्किल। जनता की नाराजगी के पीछे बेरोजगारी, महंगाई, पेयजल, बिजली, किसानों की समस्याएं और स्वास्थ्य सुविधाएं भी अहम मुद्दे हो सकते हैं। बड़े वादे और बजट की घोषणाएं अपनी जगह हैं, लेकिन आम आदमी को राहत तभी महसूस होती है जब उसका काम जमीन पर दिखाई दे। मतदाता केवल चुनाव चिन्ह देखकर वोट नहीं करता, वह अपने इलाके में हुए काम का हिसाब भी मांगता है।

हालांकि पंचायत चुनावों के परिणाम को मुख्यमंत्री बदलने का सीधा संकेत मानना जल्दबाजी होगी। स्थानीय चुनावों में प्रत्याशियों की लोकप्रियता, जातीय समीकरण और क्षेत्रीय मुद्दे भी निर्णायक होते हैं। फिर भी लगातार चुनावों में भाजपा का अपेक्षित प्रदर्शन नहीं होना केंद्रीय नेतृत्व के लिए आत्ममंथन का विषय जरूर है।

अब निगाहें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की रणनीति पर हैं। भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व पहले भी कई राज्यों में मुख्यमंत्री के चेहरे बदलकर राजनीतिक चौंकाने वाले फैसले कर चुका है। ऐसे में भजनलाल शर्मा के भविष्य को लेकर चर्चाएं स्वाभाविक हैं। लेकिन चेहरा बदलने से हर समस्या का समाधान नहीं होता।

यदि संगठन में असंतोष और नेताओं के बीच दूरी बनी रही तो नया मुख्यमंत्री भी इन्हीं चुनौतियों से जूझेगा। दरअसल, भजनलाल शर्मा के सामने सबसे बड़ी चुनौती कुर्सी बचाने से ज्यादा अपनी राजनीतिक स्वीकार्यता साबित करने की है। उन्हें वरिष्ठ नेताओं को साथ लेकर चलना होगा, नाराज कार्यकर्ताओं को मनाना होगा और जनता का भरोसा जीतना होगा। भाजपा को भी समझना होगा कि सत्ता केवल दिल्ली के फैसलों से नहीं चलती। फिलहाल पंचायतों का संदेश साफ है–जयपुर की कुर्सी भले ही मजबूत दिखाई दे, उसकी असली परीक्षा गांवों की चौपाल पर ही होती है।

विचार विंडो

प्यार में भी अब दिल नहीं, कृत्रिम बुद्धिमत्ता लिख रही पैगाम

राम प्रकाश अग्रवाल

कभी प्रेम की शुरुआत एक नजर, मुस्कान या किसी की झिझकती हुई बातचीत से होती थी। प्रेमपत्र लिखने के लिए लोग शब्दों को घंटों तराशते थे। कभी कागज पर लिखकर काटते, फिर नया पन्ना लेते और आखिरकार दिल की बात कहने की हिम्मत जुटाते थे। अब जमाना बदल गया है। प्रेम का इजहार करने से पहले लोग दिल से नहीं, कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई से पूछते हैं कि सामने वाले को क्या लिखें, कितना लिखें और किस अंदाज में लिखें। यानी अब मोहब्बत में दिल धड़कने से पहले तकनीक सक्रिय हो जाती है।

ऑनलाइन दोस्ती और प्रेम के इस नए दौर में एआई ने प्रेमियों का काम आसान कर दिया है। किसी को प्रभावित करना हो, बातचीत आगे बढ़ानी हो या रूठे हुए संभावित साथी को मनाना हो, हर समस्या का समाधान कुछ ही सेकंड में उपलब्ध है। परेशानी यह है कि अब प्रेम में अपनी भावनाएं व्यक्त करने के लिए भी लोगों को दूसरों की बुद्धि उधार लेनी पड़ रही है। दिल में क्या है, यह शायद खुद मालूम न हो, लेकिन उसे किस खूबसूरत अंदाज में लिखना है, इसका जवाब मशीन के पास है।

एक अध्ययन के मुताबिक भारत के 51.2 प्रतिशत अविवाहित लोग अपने संदेश भेजने से पहले एआई की मदद से उन्हें जांचते या बेहतर बनाते हैं। वहीं 46 प्रतिशत लोग अपनी परिचय–पत्रिका तैयार करने में भी इसकी सहायता ले चुके हैं। सबसे दिलचस्प आंकड़ा यह है कि 24.3 प्रतिशत लोग खुद तो एआई का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन संभावित साथी ऐसा करे तो उन्हें आपत्ति होती है। इसे आधुनिक प्रेम का नया दोहरापन ही कहा जाएगा। अपनी तरफ से मशीन की मदद लेना समझदारी और दूसरे की तरफ से लेना बेईमानी!

दिल्ली की इरा चटर्जी की उलझन इसी विरोधाभास को उजागर करती है। वह अपने संदेशों को आकर्षक बनाने के लिए एआई का सहारा लेती हैं, लेकिन पुरुषों के जरूरत से ज्यादा सधे हुए संदेश उन्हें पसंद नहीं आते। यानी अपनी बातचीत में कृत्रिम मिठास

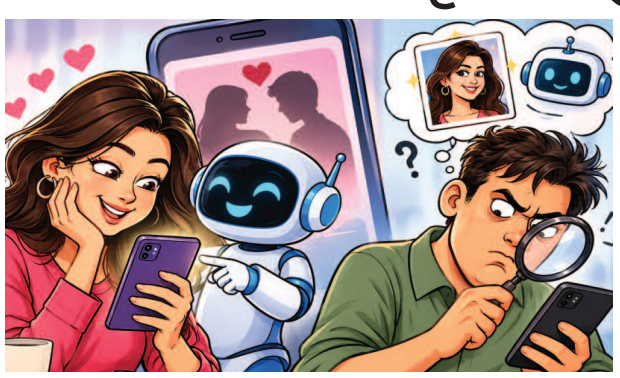

चलेगी, लेकिन सामने वाले की भाषा में मशीन की महक नहीं आनी चाहिए। प्रेम में बराबरी की मांग करने वाले लोग यहां भी अपने लिए अलग नियम बनाते दिखाई देते हैं।

बेंगलुरु के कबीर सेठी की चिंता इससे भी आगे है। उन्हें समझ नहीं आता कि सामने वाला व्यक्ति वास्तव में बातचीत में दिलचस्पी ले रहा है या सिर्फ शिष्टाचार निभा रहा है। इसलिए वह एआई से जवाब मांगते हैं। लेकिन मन में सवाल भी उठता है कि कहीं दूसरी तरफ भी कोई मशीन तो जवाब नहीं लिख रही? सोचिए, दो लोग एक–दूसरे को प्रभावित करने के लिए बातचीत कर रहे हों और दोनों तरफ से शब्दों का चयन कोई तीसरा यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता कर रही हो। ऐसे में मुलाकात दो इंसानों की होगी या दो मशीनों के लिखे संवादों की?

मामला केवल शब्दों तक सीमित नहीं है। तस्वीरों में भी तकनीक का दखल बढ़ रहा है। अध्ययन में 40.2 प्रतिशत लोगों ने कहा कि यदि संभावित साथी की तस्वीर में एआई से बदलाव किया गया हो तो वे इसे धोखा मानेंगे। सवाल है कि जब अपनी तस्वीर को आकर्षक बनाने के लिए लोग तरह–तरह के तरीके अपनाते हैं, तब दूसरे की तस्वीर में बदलाव अचानक बेईमानी कैसे बन जाता है? आखिर सुंदर दिखने की इच्छा दोनों तरफ समान है, फिर नियम अलग–अलग क्यों?

रिश्तों की उलझन समझने में भी एआई सलाहकार बनता जा रहा है। अध्ययन के अनुसार 53.1 प्रतिशत महिलाएं भावनाओं और रिश्तों से जुड़ी समस्याओं को समझने के लिए इसकी मदद लेती हैं। किसी संदेश का अर्थ निकालना हो, नाराजगी का जवाब देना हो या किसी के व्यवहार को समझना हो, मशीन हर सवाल पर सलाह देने को तैयार है। लेकिन मशीन को वही जानकारी मिलेगी जो व्यक्ति उसे बताएगा। यदि कहानी का एक ही पक्ष सामने रखा जाए तो सलाह भी उसी नजरिए से बनेगी। रिश्तों में कभी–कभी सलाह से ज्यादा जरूरी सामने वाले की बात सुनना होता है।

दरअसल, एआई का इस्तेमाल अपने आप में गलत नहीं है। भाषा सुधारने, झिझक कम करने और विचारों को स्पष्ट करने में यह मददगार हो सकता है। लेकिन जब व्यक्ति अपनी भावनाएं, सोच और पहचान भी मशीन के हवाले कर दे तो समस्या शुरू होती है। क्योंकि किसी रिश्ते की मजबूती आकर्षक शब्दों से नहीं, व्यवहार, ईमानदारी और आपसी समझ से तय होती है।

विडंबना यह है कि आज लोग असली साथी की तलाश में नकली चमक का सहारा ले रहे हैं। प्रोफाइल में आदर्श व्यक्तित्व, संदेशों में नपी–तुली मिठास और तस्वीरों में मनचाहा रूप पेश किया जा रहा है। मगर आमने–सामने मुलाकात होने पर मशीन पीछे हट जाएगी और असली इंसान सामने होगा। तब न एआई बहाना बना सकेगा और न तैयार किए गए जवाब लंबे समय तक काम आएंगे।

फंडा यह है कि प्रेम में तकनीक मददगार हो सकती है, प्रेम का विकल्प नहीं। मशीन संदेश लिख सकती है, लेकिन उसमें महसूस होने वाली सच्चाई नहीं भर सकती। आखिर रिश्ते दिल से बनते हैं, शब्दों की सजावट से नहीं। वरना आने वाले समय में प्रेमी एक–दूसरे से मिलने से पहले शायद यह भी पूछेंगे कि तुम्हारा दिल असली है या उसकी भावनाएं भी किसी मशीन ने तैयार की हैं!

28 छक्कों के साथ बनाया विश्व रिकॉर्ड

वैभव सूर्यवंशी ने रचा इतिहास 53 गेंदों में जड़ दिए 204 रन



यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के उभरते सितारे वैभव सूर्यवंशी ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से क्रिकेट जगत में तहलका मचा दिया है। एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2026 में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ मुकाबले में वैभव ने ऐसी ऐतिहासिक पारी खेली, जिसे लंबे समय तक याद रखा जाएगा। उन्होंने महज 53 गेंदों में 204 रन ठोककर विश्व रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

इस दौरान उनके बल्ले से 28 छक्के और 7 चौके निकले।

वैभव सूर्यवंशी ने मुकाबले की शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। उन्होंने पहले ही ओवर में तीन छक्के लगाकर यूएई के गेंदबाजों पर दबाव बना दिया। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। वैभव ने महज 16 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा कर लिया। उनकी बल्लेबाजी की रफ्तार यहीं नहीं थमी और उन्होंने केवल 28 गेंदों में शतक जड़ दिया। इसके बाद भी उन्होंने लगातार बड़े शॉट खेलना जारी रखा और महज 52 गेंदों में दोहरा शतक पूरा कर इतिहास रच दिया।

वैभव ने अपनी 204 रनों की पारी के दौरान कुल 28 छक्के लगाए। इसके साथ ही वह पेशेवर क्रिकेट की एक पारी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए।

उनकी इस पारी के सामने यूएई के गेंदबाज पूरी तरह बेबस नजर आए। उन्होंने मैदान के चारों ओर बड़े शॉट लगाकर दर्शकों को रोमांचित कर दिया।

इस ऐतिहासिक पारी के साथ वैभव ने न्यूजीलैंड के बल्लेबाज चैड बोएस का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। चैड बोएस ने लिस्ट–ए क्रिकेट में 103 गेंदों में दोहरा शतक लगाया था, जबकि वैभव ने उनसे कहीं कम गेंदों में यह उपलब्धि हासिल कर ली।

इसके अलावा उन्होंने लिस्ट–ए क्रिकेट की एक पारी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। इससे पहले यह कीर्तिमान डार्सी शॉर्ट के नाम था, जिन्होंने 2018 में 23 छक्के लगाए थे। अब वैभव ने 28 छक्के जड़कर उन्हें भी पीछे छोड़ दिया है। उनकी इस ऐतिहासिक पारी ने एक बार फिर दिखा दिया कि भारतीय क्रिकेट को एक ऐसा युवा बल्लेबाज मिल गया है, जो अपने बल्ले से बड़े–बड़े रिकॉर्ड ध्वस्त करने का दम रखता है।

जगदीश के तूफान में उड़ा 302 रन का लक्ष्य सीएई मथुरा जीती

88 गेंदों पर 169 रन ठोककर बने मैन ऑफ द मैच, प्रद्युम्न चौहान का शतक भी चमका



यूनिक समय, मथुरा। किशोरी रमण वार्ष्णेय स्मृति जिला क्रिकेट लीग में मंगलवार को वृंदावन क्रिकेट अकादमी मैदान पर सीएई मथुरा ने श्री श्यामा अजिता अचीवर्स क्रिकेट अकादमी को सात विकेट से करारी शिकस्त दी। मुकाबले में जगदीश अग्रवाल ने 88 गेंदों पर 169 रनों की तूफानी पारी खेलकर 302 रनों का विशाल लक्ष्य बौना कर दिया। उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए श्यामा अजिता अचीवर्स ने निर्धारित 30 ओवर में दो विकेट पर 301 रन बनाए। प्रद्युम्न चौहान ने 70 गेंदों पर 106 और गोविंद शर्मा ने 58 गेंदों पर 73 रन बनाए। कन्हैया पाठक ने महज 36 गेंदों पर नाबाद 90 रन ठोककर टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया।

जवाब में सीएई मथुरा ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 28.5 ओवर में तीन विकेट खोकर 305 रन बना लिए। जगदीश अग्रवाल ने अपनी पारी में 19 चौके और नौ छक्के लगाए। विकेटकीपर राहुल चौधरी ने 55 गेंदों पर 58 रन बनाकर अच्छी शुरुआत दी, जबकि परशुराम सांगवान ने 27 गेंदों पर नाबाद 49 रन बनाकर जीत की राह आसान की।

सीएई मथुरा की ओर से कैलाश सोलंकी और परशुराम सांगवान ने एक-एक विकेट लिया। विपक्षी टीम की ओर से विमल, मोहित सिरोही जाट और गोविंद शर्मा ने एक–एक विकेट हासिल किया। मुकाबले के दौरान एमडीसीए सचिव कमल चावला, कोषाध्यक्ष आशुतोष दीक्षित आदि मौजूद रहे। अंपायरिंग अनिल आहूजा और असलम खान ने की।

इंडियन आइडल से हुए बाहर, श्रेया घोषाल के साथ गाया गाना

अरुणाचल प्रदेश के सिंगर की सुरीली आवाज का देशभर में चला जादू

कभी टॉप15 में भी नहीं बना पाए थे जगह



यूनिक समय, नई दिल्ली। संगीत की दुनिया में सफलता हासिल करने के लिए प्रतिभा के साथ मेहनत और धैर्य भी जरूरी है। अरुणाचल प्रदेश के गायक और गीतकार ऋतो रीबा इसकी मिसाल बनकर उभरे हैं। इन दिनों उनका गाना 'दिलरुबा दिलनशीन' इंस्टाग्राम रील्स से लेकर यूट्यूब तक खूब पसंद किया जा रहा है। रोमांटिक धुन और सुरीली आवाज ने इस गाने को संगीत प्रेमियों के बीच लोकप्रिय बना दिया है। हालांकि, ऋतो के लिए यहां तक पहुंचने का सफर आसान नहीं रहा। कभी वह सिंगिंग रियलिटी शो 'इंडियन आइडल 13' से बाहर हो गए थे, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और अपनी मेहनत के दम पर संगीत की दुनिया में अलग पहचान बना ली।

ऋतो रीबा का जन्म अरुणाचल प्रदेश के पासीघाट में हुआ। बचपन से ही उन्हें संगीत में दिलचस्पी थी। उनकी मां लोकगीत गाया करती थीं, जिन्हें सुनकर उनके भीतर भी गाने का शौक पैदा हुआ। वर्ष 2014–15 के आसपास उन्होंने यूट्यूब पर गानों के कवर साझा करना शुरू किया और बाद में खुद के गाने लिखने और तैयार करने लगे। वर्ष 2022 में उन्होंने 'इंडियन आइडल 13' के ऑडिशन में हिस्सा लिया और अपना मूल गीत 'हीर रांझा' सुनाया। उनकी आवाज की तारीफ हुई, लेकिन वह प्रतियोगिता के शीर्ष 15 प्रतिभागियों में जगह नहीं बना सके। शो से बाहर होने के बावजूद उन्होंने संगीत का सफर जारी रखा। बाद में 'हीर रांझा' को प्ले डीएमएफ संगीत लेबल के तहत रिलीज किया गया, जिसे करोड़ों बार देखा गया और ऋतो को बड़ी पहचान मिली। इसके बाद उन्होंने 'मेरी बनोगी क्या', 'इक तू ही है', 'बस तेरा' और 'इबादतें' जैसे गाने पेश किए। इसी दौरान उन्हें मशहूर गायिका श्रेया घोषाल के साथ गाने का मौका मिला। दोनों की आवाज में आया गीत 'प्यार आता है' भी श्रोताओं को खूब पसंद आया।

इसके संगीत वीडियो में ईशान खट्टर और तारा सुतारिया नजर आए थे। अब उनका नया गाना 'दिलरुबा दिलनशीन' उनके पांच गानों वाले ईपी 'दिलफेक' का हिस्सा है, जिसे 16 अक्टूबर 2026 को रिलीज किया गया था। इस ईपी में 'मखमली', 'जोगनिया', 'जख्मी' और 'जिक्र हो' जैसे गाने भी शामिल हैं। द बेटर इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, 16 नवंबर तक यह गाना शाजम इंडिया चार्ट में पहले और स्पॉटिफाई इंडिया के दैनिक चार्ट में चौथे स्थान पर पहुंच गया था। हिंदी संगीत में लोकप्रियता हासिल करने के बावजूद ऋतो अपनी संस्कृति और मातृभाषा को नहीं भूले हैं। वर्ष 2025 में उन्होंने 'नेटिव नोट्स' नाम से पांच गानों का ईपी जारी किया था, जिसमें गालो भाषा में गीत शामिल थे। इस तरह वह अपने संगीत के जरिए अरुणाचल प्रदेश की संस्कृति को भी देशभर में पहचान दिला रहे हैं।

धर्मेंद्र की पहली पुण्यतिथि पर भावुक हुईं हेमा मालिनी



यूनिक समय, नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र को दुनिया से विदा हुए एक साल बीत चुका है, लेकिन उनकी यादें आज भी परिवार और प्रशंसकों के दिलों में ताजा हैं। धर्मेंद्र की पहली पुण्यतिथि पर उनकी पत्नी और अभिनेत्री हेमा मालिनी भावुक हो गईं। उन्होंने सोशल मीडिया पर धर्मेंद्र के साथ कुछ अनदेखी तस्वीरें साझा करते हुए अपने दिल का दर्द बयां किया। हेमा ने लिखा कि एक साल बीतने के बाद भी उनका दुख कम नहीं हुआ है और धर्मेंद्र के बिना जिंदगी में एक गहरा खालीपन महसूस होता है। हेमा मालिनी ने धर्मेंद्र को याद करते हुए कहा कि वह केवल उनके पति ही नहीं, बल्कि दोस्त, मार्गदर्शक और उनकी सबसे बड़ी ताकत थे। उनका पूरा अस्तित्व धर्मेंद्र से जुड़ा हुआ था। उन्होंने कहा कि धर्मेंद्र ने अपने जीवन में अपार सफलता हासिल की, लेकिन इसके बावजूद वह हमेशा विनम्र और जमीन से जुड़े रहे। उनकी अच्छाई, लोगों के प्रति प्यार और अपनी जड़ों से जुड़ाव हमेशा याद रहेगा। अपने भावुक संदेश में हेमा ने भगवद्गीता का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि गीता के अनुसार आत्मा अमर है और उसका पुनर्जन्म होता है। वह इस आध्यात्मिक सत्य को जानती हैं, लेकिन इस जीवन में धर्मेंद्र की प्यार भरी मौजूदगी को बहुत याद करती हैं। हेमा ने धर्मेंद्र को याद करने और उनके लिए प्यार भरे संदेश भेजने वाले प्रशंसकों का भी आभार जताया। उन्होंने कहा कि लोगों के संदेशों ने इस मुश्किल समय में उन्हें भावनात्मक सहारा दिया है। बता दें कि धर्मेंद्र और हेमा मालिनी ने वर्ष 1980 में शादी की थी। दोनों की दो बेटियां ईशा देओल और अहाना देओल हैं। धर्मेंद्र का 24 नवंबर 2025 को 89 वर्ष की उम्र में निधन हो गया था।

बोलीं–उनका जाना आज भी खलता है

प्रियांश आर्य ने टी20 क्रिकेट में मचाया तहलका

68 गेंदों पर ठोके 181 रन 36 गेंदों में जड़ा शतक

19 छक्कों से तोड़ा केएल राहुल का रिकॉर्ड



यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट में युवा बल्लेबाज प्रियांश आर्य ने अपनी तूफानी बल्लेबाजी से इतिहास रच दिया है। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में दिल्ली की कप्तानी करते हुए उन्होंने तमिलनाडु के खिलाफ महज 68 गेंदों पर 181 रनों की विस्फोटक पारी खेली। इस दौरान उनके बल्ले से सात चौके और 19 गगनचुंबी छक्के निकले। उनका स्ट्राइक रेट 266.18 का रहा। इस पारी के साथ ही प्रियांश टी20 क्रिकेट में किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा खेली गई सबसे बड़ी व्यक्तिगत पारी के मालिक बन गए और उन्होंने केएल राहुल का रिकॉर्ड भी पीछे छोड़ दिया। मुकाबले में दिल्ली की शुरुआत अच्छी नहीं रही। यश धुल महज आठ रन बनाकर आउट हो गए, जबकि नितीश राणा भी 18 रन ही बना सके। एक तरफ विकेट गिरते रहे, लेकिन दूसरी ओर प्रियांश आर्य ने आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखी। उन्होंने महज 36 गेंदों में अपना शतक पूरा कर लिया। शतक तक पहुंचने के दौरान उन्होंने चार चौके और 12 छक्के लगाए थे। इसके बाद भी उनका बल्ला नहीं रुका और उन्होंने 181 रनों तक पहुंचकर भारतीय टी20 क्रिकेट में सबसे बड़ी पारी खेलने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। हालांकि, प्रियांश विश्व रिकॉर्ड बनाने से चूक गए। टी20 क्रिकेट में सबसे बड़ी व्यक्तिगत पारी का रिकॉर्ड दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज ल्हुआन–ड्रे प्रीटोरियस के नाम है, जिन्होंने 79 गेंदों पर नाबाद 188 रन बनाए थे। प्रियांश इस रिकॉर्ड से महज आठ रन दूर रह गए। उनकी इस तूफानी पारी की बदौलत दिल्ली ने निर्धारित 20 ओवर में 275 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। इस मुकाबले में प्रियांश ने अकेले दम पर दिल्ली की पारी को नई ऊंचाई दी और अपनी बल्लेबाजी से क्रिकेट प्रेमियों का ध्यान खींच लिया।

एक्सप्रेस–वे पर खड़ी स्कूल बस में ट्रक ने मारी टक्कर,चार छात्रों की मौत





(मृतकों के फाइल फोटो)

आगरा से पिकनिक मनाकर कौशांबी लौट रहे थे 60 लोग, 25 घायल

बच्चों को टॉयलेट कराने के लिए किनारे रोकी गई थी बस

आठवीं और दसवीं के छात्र थे मृतक

दो घायलों की हालत गंभीर, कानपुर रेफर

यूनिक समय, कन्नौज। उत्तर प्रदेश के कन्नौज में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर मंगलवार सुबह दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। आगरा से पिकनिक मनाकर लौट रही स्कूल बस को पीछे से तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में चार छात्रों की मौत हो गई, जबकि 25 लोग घायल हो गए। बस में करीब 50 विद्यार्थियों समेत 60 लोग सवार थे। सभी कौशांबी के ओरिएंटल पब्लिक स्कूल से जुड़े थे। हादसा ठठिया थाना क्षेत्र में हुआ।

कन्नौज के एसपी विनोद कुमार के अनुसार, स्कूल बस मंगलवार रात करीब 12 बजे आगरा से रवाना हुई थी। बुधवार सुबह लगभग छह बजे बच्चों को टॉयलेट कराने के लिए बस एक्सप्रेसवे के किनारे रोकी गई थी। इसी दौरान पीछे से आलू लदे ट्रक ने बस में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि बस का पिछला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और कई सीटें उखड़ गईं। कुछ बच्चे सीटों के बीच फंस गए थे। शुरुआती आशंका है कि ट्रक चालक को झपकी आने से हादसा हुआ। हालांकि, इसकी जांच की जा रही है। हादसे में जान गंवाने वाले छात्रों की पहचान आर्यन चौरसिया (14), रजिउल्ला (16), जैद मिर्जा (17) और अरमान (17) के रूप में हुई है। आर्यन और रजिउल्ला कौशांबी के अफजलपुरवारी गांव के रहने वाले थे, जबकि जैद फतेहपुर के निदौरा और अरमान गौरे खखरेडू क्षेत्र के निवासी थे। आर्यन और अरमान आठवीं, जबकि रजिउल्ला और जैद दसवीं के छात्र थे। हादसे की सूचना मिलते ही परिवारों में मातम छा गया।

घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। स्कूल प्रबंधक सलमान और एक अन्य छात्र की हालत गंभीर होने पर उन्हें कानपुर के हैलट अस्पताल रेफर किया गया। मामूली रूप से घायल और उपचार के बाद ठीक हुए बच्चों को रोडवेज बस से कौशांबी भेजने की व्यवस्था की गई। प्रत्यक्षदर्शी छात्र ने बताया कि एक साथी की तबीयत खराब थी और उसे टॉयलेट कराने के लिए बस रोकी गई थी। तभी ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे के बाद पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा राहत और बचाव कार्य कराया।

विधायक सुशील सिंह के काफिले में घुसी स्कॉर्पियो दो फॉर्च्यूनर क्षतिग्रस्त



चंदौली में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने मारी टक्कर, तीन घायल

अनंत सिंह की बेटी के तिलक समारोह से लौट रहे थे विधायक

यूनिक समय, चंदौली। उत्तर प्रदेश के चंदौली में सोमवार रात भाजपा विधायक सुशील सिंह के काफिले में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो घुस गई। स्कॉर्पियो ने काफिले में चल रही दो फॉर्च्यूनर को टक्कर मार दी। हादसे में स्कॉर्पियो सवार तीन लोग घायल हो गए, जबकि विधायक समेत फॉर्च्यूनर में बैठे सभी लोग सुरक्षित रहे। घटना सदर कोतवाली क्षेत्र के फुटिया और जगदीसराय गांव के पास रात करीब नौ बजे हुई। विधायक बिहार के बाहुबली विधायक अनंत सिंह की बेटी के तिलक समारोह में शामिल होकर लौट रहे थे। उनका काफिला करीब 10 गाड़ियों का था।

स्कॉर्पियो ने सबसे पीछे चल रही फॉर्च्यूनर को टक्कर मारी, जिससे वह पलट गई। इसके बाद दूसरी फॉर्च्यूनर से भिड़ने के बाद स्कॉर्पियो पेड़ से टकरा गई। विधायक सुशील सिंह ने घटना को साजिश की आशंका बताते हुए कहा कि उनकी गाड़ी आगे चल रही थी, इसलिए सुरक्षित बच गए।

सीओ नामवेंद्र कुमार के मुताबिक, स्कॉर्पियो में चार लोग सवार थे। चालक जीवन यादव शराब के नशे में मिला। पुलिस ने चारों को हिरासत में लेकर वाहन जब्त कर लिया है। गंभीर घायल पंकज यादव को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने शुरुआती जांच में घटना को सड़क दुर्घटना बताया है। मामले की जांच जारी है।

प्रकाश पर्व पर साफा बांधकर कीर्तन में शामिल हुए सीएम योगी

गुरु नानक देव के 557वें प्रकाश पर्व समारोह

बोले मुख्यमंत्री- अन्याय के खिलाफ खड़ा होना ही सच्ची आध्यात्मिकता



यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ में मंगलवार को गुरु नानक देव जी के 557वें प्रकाश पर्व पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ डीएवी कॉलेज मैदान में आयोजित समारोह में शामिल हुए। उन्होंने साफा बांधकर संगत के बीच बैठकर कीर्तन सुना। इस दौरान डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और मंत्री बलदेव सिंह औलख भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु नानक देव जी ने जाति–पाति और भेदभाव से ऊपर उठकर समाज को एकता, मानवता और समानता का संदेश दिया। उनका 'एक ओंकार' का सिद्धांत बताता है कि सभी मनुष्य एक परमात्मा की संतान हैं और समान सम्मान के अधिकारी हैं।

योगी ने कहा कि गुरुद्वारों में एक साथ बैठकर लंगर छकने की परंपरा सामाजिक समानता और भाईचारे का उदाहरण है।

यहां किसी की जाति नहीं पूछी जाती और सभी एक पंक्ति में भोजन करते हैं। गुरु नानक देव जी ने भक्ति और कीर्तन के माध्यम से समाज में सद्भाव का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सच्ची आध्यात्मिकता अन्याय के खिलाफ खड़े होने की प्रेरणा देती है। उन्होंने गुरु गोविंद सिंह जी और चारों साहिबजादों के बलिदान को याद करते हुए कहा कि उनका साहस और त्याग आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है। वीर बाल दिवस के आयोजन से नई पीढ़ी को उनके संघर्ष और बलिदान की जानकारी मिलती है।

कारों की टक्कर के बाद सड़क पर मारपीट, युवक को चप्पलों से पीटा



यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ के खुर्रम नगर रोड पर मंगलवार दोपहर दो कारों की मामूली टक्कर के बाद विवाद मारपीट में बदल गया। इंदिरा नगर सेक्टर–17 मार्केट के पास दोनों कारों में सवार लोग सड़क पर उतर आए और एक–दूसरे से भिड़ गए। इस दौरान एक युवक को घेरकर चप्पल, लात और घूंसों से पीटा गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, मारपीट में युवक के चेहरे से खून निकल आया। घटना का वीडियो भी सामने आया है।

जानकारी के अनुसार, सियाज कार में दो युवक सवार थे, जबकि स्विफ्ट डिजायर में एक युवक और बुजुर्ग मौजूद थे। दोनों गाड़ियों के बीच टक्कर होने के बाद कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों के लोग सड़क पर भिड़ गए। वीडियो में नेहरू जैकेट पहने डिजायर सवार युवक को कुछ लोग घेरकर पीटते दिखाई दे रहे हैं। मारपीट के दौरान सड़क पर लोगों की भीड़ जुट गई। इसी बीच एक राहगीर ने पूरी घटना का वीडियो बना लिया। वीडियो में कई लोग युवक पर चप्पल और घूंसों से हमला करते नजर आ रहे हैं। सियाज कार पर उत्तर प्रदेश सरकार लिखा हुआ था। फिलहाल घटना को लेकर पुलिस की कार्रवाई और दोनों पक्षों की स्थिति की जानकारी सामने नहीं आई है।

यूपी में सीट बंटवारे पर सपा–कांग्रेस में खींचतान



कांग्रेस ने मांगीं 125 सीटें,सपा ने 26 सीटों का दिया प्रस्ताव

कांग्रेस बोली- 2022 वाली पार्टी नहीं रहे

इमरान मसूद ने कहा- हम किसी से भीख नहीं मांग रहे

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर सपा और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे पर सहमति बनती नजर नहीं आ रही है। दोनों दलों के बीच बातचीत जारी है, लेकिन सीटों की संख्या को लेकर पेंच फंस गया है। कांग्रेस ने प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों में से 125 सीटों पर चुनाव लड़ने की मांग रखी है, जबकि सपा ने उसे केवल 26 सीटों का प्रस्ताव दिया है। सपा महासचिव रामगोपाल यादव ने बताया कि कांग्रेस को 26 सीटों की सूची सौंप दी गई है। सपा सांसद राजीव राय ने भी कहा कि हर सीट पर अलग–अलग चर्चा की जाएगी।

कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने सपा के प्रस्ताव पर नाराजगी जताते हुए कहा कि पार्टी किसी से भीख नहीं मांग रही है। यह गठबंधन के लिहाज से ठीक नहीं है। कांग्रेस अब 2022 वाली स्थिति में नहीं है। राहुल गांधी की छवि और पार्टी के मौजूदा माहौल को देखते हुए कांग्रेस पहले से मजबूत हुई है। वहीं, कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि पार्टी सम्मानजनक समझौते की कोशिश करेगी। सपा की ओर से दी गई 26 सीटों की सूची में कांग्रेस का पिछला प्रदर्शन कमजोर रहा था। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में इन सीटों में से कांग्रेस केवल प्रतापगढ़ की रामपुर खास और महाराजगंज की फरेंदा सीट जीत पाई थी। रामपुर खास से आराधना मिश्रा मोना और फरेंदा से वीरेंद्र चौधरी विधायक चुने गए थे। मथुरा, खेरागढ़, जगदीशपुर और किदवई नगर में कांग्रेस दूसरे स्थान पर रही थी। वहीं, 16 सीटों पर पार्टी प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गई थी। इनमें बागपत, मोदीनगर, हापुड़, जेवर, स्याना, खुर्जा, खैर, इगलास, मांट, आगरा उत्तर, फतेहपुर सीकरी, नानपारा, गोरखपुर शहर, खजनी, पडरौना और फाजिलनगर शामिल हैं।

कांग्रेस का तर्क है कि 2022 के विधानसभा चुनाव के नतीजों के आधार पर उसकी मौजूदा राजनीतिक ताकत का आकलन नहीं किया जा सकता। पार्टी 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा के साथ गठबंधन के प्रदर्शन और अपने सांसदों के प्रभाव वाले क्षेत्रों को भी सीट बंटवारे का आधार बनाने की मांग कर रही है। दूसरी ओर, सपा का कहना है कि प्रस्तावित 26 सीटों में कई ऐसी हैं, जहां 2022 में उसके प्रत्याशियों को 60 से 70 हजार वोट मिले थे, जबकि कांग्रेस को लगभग दो हजार वोट ही मिले।

इस बीच कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने भरोसा जताया कि सीटों का बंटवारा अच्छे से हो जाएगा। सपा नेता इकरा हसन के मुताबिक बातचीत में एक–दो दिन और लग सकते हैं।

कानपुर में तेंदुए का ग्रामीणों पर हमला, नौ लोग घायल



खेत में तेंदुए को घेरने पहुंचे थे ग्रामीण

पुलिस और वन विभाग की टीम तलाश में जुटी

यूनिक समय, कानपुर। कानपुर के महाराजपुर थाना क्षेत्र के करनखेड़ा गांव में मंगलवार दोपहर तेंदुए ने खेतों में काम कर रहे लोगों पर हमला कर दिया। घटना में नौ लोग घायल हो गए। ग्रामीणों के मुताबिक, खेत में तेंदुआ दिखने पर करीब 12 लोग उसे घेरने पहुंचे थे। बाद में लगभग 50 ग्रामीण लाठी–डंडे लेकर जुट गए। इसी दौरान तेंदुए ने लोगों पर हमला कर दिया और मौके पर भगदड़ मच गई।

ग्रामीणों ने बताया कि तेंदुए ने सबसे पहले रामकेश पर हमला किया। इसके बाद कई अन्य लोग भी उसकी चपेट में आ गए। रवि निषाद अपने दोस्त को बचाने पहुंचे तो तेंदुए ने उन पर भी हमला कर दिया। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें साहिल की हालत गंभीर बताई गई है।

सूचना पर पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। तेंदुए की तलाश में कांबिंग की जा रही है। वन विभाग ने ग्रामीणों से घरों में सुरक्षित रहने, बच्चों को बाहर न भेजने और अकेले खेतों में नहीं जाने की अपील की है। अधिकारियों के मुताबिक, गांव नदी और जंगल के पास बसा है, जहां से जंगली जानवर आबादी में आ सकता है।

पहाड़ों में बर्फ, मैदानों में कोहरा,ठिठुरन ने बढ़ाई मुसीबत







यूनिक समय, नई दिल्ली। पहाड़ों पर बर्फबारी और मैदानी इलाकों में घने कोहरे के साथ सर्दी ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। हिमाचल प्रदेश की मणिमहेश झील पर करीब पांच इंच मोटी बर्फ जम गई है। कश्मीर के छह शहरों में न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे दर्ज किया गया। शोपियां में पारा माइनस 3.9 डिग्री और श्रीनगर में माइनस 0.4 डिग्री रहा। उत्तराखंड के बद्रीनाथ में तापमान माइनस 11 और गंगोत्री में माइनस 14 डिग्री तक पहुंच गया।

राजस्थान के फतेहपुर में न्यूनतम तापमान 4.6 डिग्री और माउंट आबू में 3 डिग्री दर्ज किया गया। सीकर, टोंक,

हिमाचल की मणिमहेश झील जमी, राजस्थान-एमपी में गिरा पारा

दिल्ली की हवा खराब, कई राज्यों में बारिश का अलर्ट

चूरू और नागौर समेत कई इलाकों में तापमान 10 डिग्री से नीचे रहा। मध्य प्रदेश में भोपाल सबसे ठंडा शहर रहा, जहां पारा 12.4 डिग्री दर्ज हुआ। प्रदेश के 14 शहरों में न्यूनतम तापमान 15 डिग्री से नीचे रहा। मौसम विभाग ने अगले चार दिनों में तापमान 2 से 4 डिग्री तक गिरने का अनुमान जताया है।

दिल्ली में मंगलवार सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (अदक) 238 दर्ज किया गया, जो खराब श्रेणी में है। सिरी फोर्ट में एक्यूआई 330 तक पहुंच गया।

छत्तीसगढ़ के उत्तरी हिस्सों में भी ठंड बढ़ने के आसार हैं। पंजाब में अगले चार दिनों तक मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। वहीं 25 और 26 नवंबर को आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, पुडुचेरी और केरल में तेज हवाओं के साथ बारिश का यलो अलर्ट है।

सेहत का रखें ध्यानः ठंड में सुबह-शाम गर्म कपड़े पहनें, पर्याप्त पानी पिएं और कोहरे में वाहन चलाते समय गति धीमी रखें। प्रदूषण अधिक होने पर बाहर व्यायाम करने से बचें।

छह साल बाद फिर साथ आए भाजपा-अकाली दल

पंजाब में मिलकर लड़ेंगे चुनाव



यूनिक समय, नई दिल्ली। पंजाब की राजनीति में छह साल बाद बड़ा बदलाव देखने को मिला है। भारतीय जनता पार्टी और शिरोमणि अकाली दल ने एक बार फिर हाथ मिला लिया है। मंगलवार को दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और अकाली दल अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने गठबंधन का ऐलान किया। इस दौरान भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन भी मौजूद रहे।

अमित शाह ने स्पष्ट किया कि दोनों दल आगामी पंजाब विधानसभा चुनाव मिलकर लड़ेंगे। गठबंधन में अकाली दल बड़े भाई की भूमिका में रहेगा और चुनाव जीतने पर मुख्यमंत्री भी अकाली दल का ही नेता बनेगा। हालांकि, दोनों पार्टियों के बीच सीटों के बंटवारे पर अभी कोई अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। शाह ने कहा कि गठबंधन की घोषणा में भले ही समय लगा, लेकिन दोनों दल ऐसा समझौता चाहते थे जो लंबे समय तक चले। भाजपा और अकाली दल का गठबंधन करीब 24 साल पुराना था। दोनों दलों ने 1997, 2007 और 2012 में मिलकर पंजाब में सरकार बनाई थी। सितंबर 2020 में केंद्र के कृषि सुधार कानूनों के विरोध में अकाली दल ने एनडीए से नाता तोड़ लिया था। इसके बाद 2022 के विधानसभा चुनाव में अकाली दल को तीन और भाजपा को केवल दो सीटें मिली थीं। सुखबीर बादल ने इसे राजनीतिक नहीं, बल्कि भावनात्मक गठबंधन बताते हुए कहा कि दोनों दलों का रिश्ता नाखून-मांस जैसा है।

अमित शाह ने कहा कि पंजाब में नशे का खात्मा, भ्रष्टाचार पर लगाम और कानून व्यवस्था सुधारना गठबंधन

शाह बोले-अकाली दल का होगा मुख्यमंत्री

सीटों के बंटवारे पर बाद में होगा फैसला

2029 तक पंजाब को नशामुक्त करने का लक्ष्य

की प्राथमिकता होगी। उन्होंने 31 दिसंबर 2029 तक पंजाब को पूरी तरह नशामुक्त करने का लक्ष्य रखा। अगले तीन महीनों में किसानों, रोजगार और राज्य की आर्थिक समस्याओं पर चर्चा कर संयुक्त रोडमैप तैयार किया जाएगा। शाह ने गैंगस्टरवाद खत्म करने का भी संकल्प जताया। सुखबीर बादल ने कांग्रेस और आम आदमी पार्टी पर पंजाब को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया।

पुराने आपराधिक रिकॉर्ड वाले आरोपी को जल्द सुनवाई के नाम पर नहीं मिलेगी जमानत: सुप्रीम कोर्ट



यूनिक समय, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि गंभीर अपराधों के आरोपी और पुराने आपराधिक रिकॉर्ड वाले व्यक्ति को केवल मुकदमे की सुनवाई में देरी के आधार पर जमानत नहीं दी जा सकती। जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस श्री चंद्रशेखर की पीठ ने पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट का आदेश रद्द करते हुए यह टिप्पणी की। हाईकोर्ट ने हत्या के आरोपी को पांच साल से अधिक समय जेल में रहने के आधार पर जमानत दी थी।

सुप्रीम कोर्ट ने पाया कि आरोपी ने जमानत याचिका में अपने पुराने मामलों

हत्या के आरोपी को जमानत देने का हाईकोर्ट का आदेश रद्द

एक सप्ताह में आत्मसमर्पण करने का निर्देश

की जानकारी छिपाई थी। उसे पहले इसी मृतक की हत्या के प्रयास के मामले में दोषी ठहराया गया था। मौजूदा वारदात के समय भी वह जमानत पर था।

पीठ ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत त्वरित सुनवाई का अधिकार महत्वपूर्ण है, लेकिन पीड़ित और समाज के हितों की अनदेखी नहीं की जा सकती। अदालत ने आरोपी को एक सप्ताह के भीतर संबंधित अदालत में आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया।

केजरीवाल का भाजपा-अकाली गठबंधन पर तंज

बोले-हमारा गठबंधन पंजाब की जनता के साथ



यूनिक समय, नई दिल्ली। पंजाब में भाजपा और शिरोमणि अकाली दल के छह साल बाद फिर साथ आने पर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि कुछ राजनीतिक दल सत्ता के लिए कभी साथ आते हैं तो कभी अलग हो जाते हैं। हमारा गठबंधन पंजाब की जनता के साथ है। केजरीवाल ने दावा किया कि भगवंत मान सरकार पिछले पांच वर्षों से राज्य की व्यवस्था सुधारने और विकास के लिए लगातार काम कर रही है।

भगवंत मान ने पांच साल में सुधार के लिए मेहनत की

मंगलवार को दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भाजपा-अकाली दल गठबंधन की घोषणा की। उन्होंने कहा कि दोनों पार्टियां आगामी विधानसभा चुनाव मिलकर लड़ेंगी। अकाली दल की एनडीए में वापसी का स्वागत करते हुए शाह ने इसे हिंदू-सिख भाईचारे का प्रतीक बताया।

अकाली दल अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने गठबंधन को राजनीतिक से ज्यादा भावनात्मक रिश्ता बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने पंजाब को बर्बाद किया है। गठबंधन का उद्देश्य किसानों, युवाओं और पंजाब के हितों की रक्षा करना है।

16 दिसंबर को बांग्लादेश लौटना चाहती हैं शेख हसीना सरकार ने ठुकराई मांग

यूनिक समय, नई दिल्ली। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना 16 दिसंबर को अपने देश लौटना चाहती हैं। इसके लिए उन्होंने तारिक रहमान सरकार से दिल्ली से ढाका तक सरकारी विमान भेजने की मांग की है। उनके प्रवक्ता सैयद मोजम्मेल अली ने मंगलवार को यह जानकारी दी। खास बात यह है कि 16 दिसंबर को बांग्लादेश विजय दिवस मनाता है। 1971 में इसी दिन पाकिस्तानी सेना ने भारतीय सेना और मुक्ति वाहिनी के सामने आत्मसमर्पण किया था।

बांग्लादेश के विदेश मामलों के राज्य मंत्री हुमायूं कबीर ने हसीना की वापसी की मांग खारिज करते हुए कहा कि उन्हें भारत से प्रत्यर्पित कराकर हथकड़ी में लाया जाएगा। वहीं, सांसद नाहिद इस्लाम ने भारत पर हसीना को संरक्षण देने का आरोप लगाया है।आरक्षण विरोधी छात्र आंदोलन के बाद 5 अगस्त 2024 को हसीना बांग्लादेश छोड़कर भारत आ गई थीं।

हत्याकर कजाकिस्तान भागा आरोपी भारत लाया गया



यूनिक समय, नई दिल्ली। हरियाणा में हत्या के मामले में फरार आरोपी आशीष कुमार को केंद्रीय जांच ब्यूरो ने इंटरपोल की मदद से कजाकिस्तान से भारत वापस ला दिया। सोमवार को दिल्ली पहुंचने पर हरियाणा पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। आरोपी के खिलाफ सितंबर 2026 में रेड कॉर्नर नोटिस जारी हुआ था।

सीबीआई के मुताबिक, नवंबर 2025 में एक शादी समारोह के दौरान मृतक और आरोपी के बीच विवाद हुआ था। समारोह से लौटते समय मृतक की गाड़ी रास्ते में रोककर आरोपी ने अपने साथियों के साथ उस पर हमला किया था। गंभीर चोटों के कारण उसकी

सीबीआई ने इंटरपोल की मदद से पकड़ा

शादी समारोह में विवाद के बाद साथियों संग किया था हमला

अल्माटी में मिला था ठिकाना

मौत हो गई थी। इसके बाद आरोपी विदेश भाग गया।

हरियाणा पुलिस के अनुरोध पर इंटरपोल ने रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया था। कजाकिस्तान के इमिग्रेशन अधिकारियों की मदद से आरोपी का पता अल्माटी में लगाया गया।

सीबीआई के अनुसार, 2019 से अब तक इंटरपोल के सहयोग से 300 से अधिक वांछित अपराधियों को भारत लाया जा चुका है। इनमें 2026 में अब तक 75 भगोड़े शामिल हैं।

तमिलनाडु की पहाड़ी पर आज जलेगा कार्तिगई दीपम, 5600 पुलिसकर्मी तैनात

यूनिक समय, नई दिल्ली। तमिलनाडु के मदुरै स्थित तिरुपरंकुंद्रम पहाड़ी पर मंगलवार को कार्तिगई दीपम के अवसर पर प्राचीन पत्थर के स्तंभ 'दीपथून' पर दीप जलाया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने 20 नवंबर को इस साल 24 नवंबर को दीप जलाने की सशर्त अनुमति दी थी। स्तंभ सिकंदर बदुशा दरगाह के पास स्थित है। आयोजन को लेकर तनाव की आशंका के बीच पहाड़ी और आसपास 5600 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। आम लोगों के पहाड़ी पर चढ़ने और दीपथून तक पहुंचने पर रोक लगा दी गई है। सुरक्षा के लिए 70 से अधिक सीसीटीवी और फेस रिकग्निशन कैमरे लगाए गए हैं। ड्रोन उड़ाने पर भी प्रतिबंध है। जिला प्रशासन ने धारा 163 लागू कर सभाओं, रैलियों और प्रदर्शनों पर रोक लगाई है। भाजपा और हिंदू मुन्नानी के कुछ नेताओं को हिरासत में लिए जाने की भी अटकलें हैं। तमिलनाडु सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में अनुमति पर पुनर्विचार की याचिका दाखिल की है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि अनुमति केवल इस साल के आयोजन के लिए है। इससे पहाड़ी के स्वामित्व या धार्मिक अधिकारों से जुड़े विवाद का अंतिम फैसला नहीं होगा।

श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गुरु नानक देव का प्रकाश पर्व

मसानी स्थित गुरुद्वारा गुरु नानक बगीची में सजा विशेष दीवान, प्रभात फेरी में गूंजे गुरबाणी के स्वर

संगत ने छका गुरु का अटूट लंगर सेवाभावियों का सरोपा पहनाकर सम्मान


निशान साहिब के साथ शोभायात्रा में शामिल सिख संगत के लोग।


गुरुवाणी कीर्तन पाठ करते रागी जत्थे।

यूनिक समय, मथुरा। सिख धर्म के प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव का प्रकाश पर्व मंगलवार को मसानी स्थित ऐतिहासिक गुरुद्वारा गुरु नानक बगीची में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। गुरुद्वारे को फूलों और रंग-बिरंगी विद्युत रोशनी से सजाया गया। सुबह से ही मत्था टेकने और गुरु का आशीर्वाद लेने के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा।

प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में गुरुद्वारे में तीन दिन से चल रहे श्री अखंड पाठ साहिब का मंगलवार सुबह विधिवत भोग डालकर समापन हुआ। इससे पूर्व राधा नगर स्थित गुरुद्वारे से भव्य प्रभात फेरी निकाली गई। हेमकुंड साहिब के हजूरी रागी भाई हरप्रीत सिंह ने शबद कीर्तन से संगत को निहाल किया। मिंदर सिंह और ग्रंथी भगत सिंह ने भी गुरबाणी का गायन किया।

रानी आहूजा ने गुरु नानक देव की शिक्षाओं को जीवन में अपनाने का संदेश देते हुए सत्य, प्रेम, भाईचारे और मानव सेवा का महत्व बताया। लाडो आहूजा ने प्रकाश पर्व की शुभकामनाएं दीं। बब्बू ऑबराय ने गुरु की शिक्षाओं को समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया, जबकि जितेंद्र सिंह पप्पू ने सर बत के भले की अरदास की। इस अवसर पर बब्बू वीर, जितेंद्र सिंह, पप्पू वीर, पार्षद चंदन आहूजा, हरविंदर सिंह, बलविंदर सिंह, प्रदीप सयाल, जसनूर सिंह, परमीत सिंह, प्रदीप अरोड़ा, गोपाल दास और प्रीतम सिंह सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

श्री गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में गुरुद्वारा राधानगर के तत्वावधान में निकाली जा रहीं प्रभात फेरियों का समापन श्री गुरु नानक बगीची, मसानी पर हुआ। इससे पूर्व प्रभात फेरी राजेंद्र सिंह टोनी और छाबड़ा परिवार के निवास पर पहुंची, जहां श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा और स्वागत के साथ संगत का अभिनंदन किया। इस दौरान गुरबाणी कीर्तन के माध्यम से गुरु साहिब का गुणगान किया गया।

गुरुद्वारा श्री गुरु नानक बगीची में श्री अखंड पाठ साहिब की समाप्ति हुई। बाहर से आए रागी जत्थों ने शबद कीर्तन कर संगत को निहाल किया। इसके बाद गुरु का अटूट लंगर बरताया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर गुरुद्वारा श्री गुरु नानक बगीची के सेक्रेटरी सरदार हरविंद्र सिंह ने गुरुद्वारा राधानगर के प्रधान रघुवीर सिंह ओबेरॉय, सेक्रेटरी जितेंद्र सिंह, जगदीश आहूजा, कृष्णानगर गुरुद्वारे के प्रधान सरदार परमजीत सिंह, सरदार दलबीर सिंह चावला, सरदार हाकिम सिंह, विष्णु आहूजा, लाडो वीर, ज्ञानी महेंद्र सिंह और सरदार बलविंदर सिंह को सरोपा भेंटकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में शिव अरोड़ा, नीरज अजवानी, पंकज, रीना अरोड़ा, ज्योति, प्रभा, अमन, गोलू और अंश सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

वृंदावन। सिख धर्म के प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव का 557वां प्रकाश पर्व गांधी नगर स्थित गुरुनानक टीला गुरुद्वारा में मंगलवार को श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। 23 नवंबर से शुरू हुए दो दिवसीय आयोजन के अंतिम दिन गुरुद्वारे में शबद कीर्तन, गुरुवाणी, कथा विचार और अरदास के धार्मिक कार्यक्रम हुए। इसके बाद अटूट लंगर का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

गुरुद्वारा प्रभारी परमजीत सिंह ने बताया कि प्रकाश पर्व के शुभारंभ पर 23 नवंबर को श्री अखंड पाठ साहिब आरंभ हुआ था, जिसका मंगलवार को विधिवत समापन किया गया।

छावनी के मैदानों पर कब्जा जमाए बैठे पशुपालकों पर चला बुलडोजर

एनसीसी ग्राउंड और रामलीला मैदान से हटाए गोबर के पहाड़

अस्थायी बाड़े ध्वस्त 50 कर्मचारियों की टीम ने संभाला मोर्चा


छावनी मैदान को साफ करतीं जेसीबी।

यूनिक समय, मथुरा। सार्वजनिक मैदानों को पशुओं के बाड़े और गोबर के ढेर में तब्दील करने वालों के खिलाफ आखिरकार छावनी परिषद ने सख्त रुख अपनाया। मंगलवार को परिषद की टीम ने एनसीसी ग्राउंड और रामलीला मैदान में बड़ा अभियान चलाकर वर्षों से जमे अतिक्रमण पर बुलडोजर चला दिया। मैदानों में पशुपालकों के बनाए अस्थायी बाड़े हटाए गए और गोबर-कूड़े के ढेर साफ कराए गए। कार्रवाई से लंबे समय से कब्जा जमाए बैठे लोगों में खलबली मच गई। मुख्य अधिशासी अधिकारी आकाश गर्ग (भारतीय रक्षा संपदा सेवा) के नेतृत्व में चले अभियान में दो जेसीबी मशीनें, चार से पांच वाहन और करीब 50 अधिकारी-कर्मचारियों की टीम उतारी गई। जेसीबी से गोबर और कूड़े के बड़े–बड़े ढेर हटवाए गए। अभियान के दौरान अस्थायी बाड़ों और अन्य अवरोधों को हटाने के साथ संबंधित सामग्री जब्त की गई। कार्रवाई के दौरान कार्यालय अधीक्षक तोताराम, स्वच्छता निरीक्षक मनोज कुमार गुप्ता सहित परिषद के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। अभियान में सदर थाना पुलिस और सेना के सुरक्षा कर्मियों का भी सहयोग रहा।

गोवर्धन परिक्रमा मार्ग पर अब नहीं चुभेंगे कंकड़, डलेगी भूड़ा मिट्टी


संत ज्ञानानंद से वार्ता करते भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव अरुण कुमार सिंह।

यूनिक समय, राधाकुंड। गोवर्धन की सप्तकोसीय परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं को जल्द ही कंकड़-पत्थरों से राहत मिलने वाली है। परिक्रमा मार्ग पर राजस्थान की भूड़ा मिट्टी डलवाई जाएगी, जिससे श्रद्धालुओं को पैदल चलते समय पैरों में कंकड़ नहीं चुभेंगे। मंगलवार को राधाकुंड स्थित श्रीपीठ आश्रम पहुंचे भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव-पूर्व राज्यसभा सांसद अरुण सिंह ने संतों और भाजपाइयों को यह भरोसा दिलाया।

श्रीपीठ आश्रम में ज्ञानानंद से आशीर्वाद लेने के बाद अरुण सिंह ने परिक्रमा मार्ग की समस्याओं और क्षेत्रीय विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने नगला सपेरा के ग्रामीणों को भी आश्वस्त किया कि एक सप्ताह के भीतर गांव में पेयजल की व्यवस्था पहुंचाई जाएगी। इसके साथ ही क्षेत्र में लंबे समय से बनी जलभराव की समस्या का भी जल्द समाधान कराया जाएगा।

भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने राधाकुंड पहुंचकर किए दर्शन

इस संबंध में उन्होंने राधाकुंड नगर पंचायत अध्यक्ष रामफल से समस्याओं का शीघ्र निस्तारण कराने को कहा। इससे पूर्व एक्सप्रेस-वे पर भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने अरुण सिंह का स्वागत किया।

इस दौरान भाजपा नेता प्रदीप गोस्वामी, श्याम सिंघल, महानगर अध्यक्ष राजू यादव, चिंताहरण चतुर्वेदी, मलय सिंह राठौर, प्रेमचंद महावर, सूर्यप्रताप सिंह, यतेंद्र फौजदार, पवन चौधरी, पुनीत चतुर्वेदी और देवेंद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

नशे के कारोबार में महिला गिरफ्तार, तीन साथी फरार

यूनिक समय, मथुरा। गोविंदनगर पुलिस ने नशीले पदार्थों की बिक्री के आरोप में एक महिला को गिरफ्तार किया है, जबकि उसके तीन साथी पुलिस को चकमा देकर भाग निकले। पुलिस ने महिला के कब्जे से 301 ग्राम अल्प्राजोलम, 30 ग्राम स्मैक पाउडर और 1.15 लाख रुपये की नकदी बरामद की है। पुलिस के अनुसार गऊघाट क्षेत्र के कच्चे रास्ते पर नशीले पदार्थों की बिक्री किए जाने की सूचना मिली थी। इस पर पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी। पुलिस को देखकर वहां मौजूद तीन युवक भाग निकले, जबकि एक महिला को पकड़ लिया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से नशीले पदार्थ और नकदी बरामद हुई।

पुलिस के मुताबिक फरार आरोपियों में अनसार, चांद निवासी नई मस्जिद, राधेश्याम कॉलोनी और अलीम उर्फ रोहित निवासी बद्रीनगर, डीग गेट शामिल हैं। पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में जुटी है।

अपहरण कर हत्या के मामले में वांछित महिला गिरफ्तार

यूनिक समय, नौहझील। अपहरण कर हत्या के मामले में फरार चल रही महिला अभियुक्ता को नौहझील थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मंगलवार सुबह शेरगढ़ रोड स्थित हनुमान मंदिर के पास से उसे दबोचा। पुलिस के अनुसार, महिला ने मोहन सिंह और श्यामवीर के साथ मिलकर देवेन्द्र पाठक का अपहरण कर उसकी हत्या की थी। वारदात के बाद साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से शव को बोरे में बांधकर यमुना नदी में फेंक दिया गया था। मामले में मुख्य आरोपी मोहन सिंह पहले ही गिरफ्तार होकर जेल जा चुका है। थाना प्रभारी अंजीश कुमार ने बताया कि अपहरण और हत्या के मामले में वांछित महिला अभियुक्ता को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। मामले में फरार शेष आरोपी की तलाश में पुलिस दबिश दे रही है।

दो लोगों को न्यायालय उठने तक की सजा

यूनिक समय, मथुरा। ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत परीक्षा अधिनियम के एक आरोपी को न्यायालय ने दंडित किया है। अदालत ने कृष्ण कुमार पुत्र निरंजन लाल निवासी लक्ष्मीनगर, थाना जमुनापार को दोषी मानते हुए न्यायालय उठने तक की सजा सुनाई। साथ ही उस पर एक हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया। वहीं एसीजेएम प्रथम की अदालत ने हाईस्कूल की अंग्रेजी परीक्षा में नकल कराते पकड़े गए चतुर शिरोमणि निवासी खानपुर थाना महावन को न्यायालय उठने तक की सजा और एक हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किया।

सड़क हादसे के आरोपी को न्यायालय उठने तक की सजा

यूनिक समय, मथुरा। ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत एसीजेएम चतुर्थ की अदालत ने सड़क हादसे के आरोपी को दोषी करार दिया है। थाना गोविंदनगर में वर्ष 2021 में दर्ज मुकदमे में सुनवाई करते हुए न्यायालय ने राजीव अग्रवाल निवासी पुष्प बिहार कॉलोनी जयसिंहपुरा को न्यायालय उठने तक की सजा सुनाई। साथ ही 1500 रुपये का अर्थदंड भी लगाया।

छटीकरा फ्लाईओवर हादसे में ट्रक चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

यूनिक समय, मथुरा। हाईवे पर छटीकरा फ्लाईओवर के समीप स्विफ्ट डिजायर कार के ट्रक में पीछे से टकराने से चार लोगों की मौत और पांच के घायल होने के मामले में थाना जैंत में ट्रक चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। हादसे की वजह ट्रक चालक की लापरवाही से अचानक ब्रेक लगाना बताया गया है।

मध्य प्रदेश के भिंड देहात क्षेत्र के बिरधनपुर निवासी धीरज शर्मा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनका भांजा देवाशीष परिवार और रिश्तेदारों के साथ वृंदावन दर्शन करने के बाद कार से रमणरेती जा रहा था। इसी दौरान हाईवे पर आगे चल रहे ट्रक के चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए अचानक तेज ब्रेक लगा दिए। इससे पीछे चल रही स्विफ्ट डिजायर कार ट्रक में जा घुसी। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई थी, जबकि पांच लोग घायल हुए थे। घायलों का उपचार चल रहा है। पुलिस ने धीरज शर्मा की तहरीर पर ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

खंड शिक्षा अधिकारियों को विकास खंडों का आवंटन, छह अधिकारियों को मिली जिम्मेदारी

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में खंड शिक्षा अधिकारियों के स्थानांतरण के बाद शिक्षा विभाग ने विकासखंडों और नगर क्षेत्रों की जिम्मेदारियों का नए सिरे से आवंटन किया है। बीएसए रतन कीर्ति ने कार्यालय आदेश जारी कर छह खंड शिक्षा अधिकारियों को विभिन्न विकासखंडों और नगर क्षेत्रों का दायित्व सौंपा है।

कार्यालय आदेश के अनुसार, शासन स्तर से खंड शिक्षा अधिकारियों के स्थानांतरण के फलस्वरूप संबंधित अधिकारियों को कार्यमुक्त करने और दूसरे जनपदों से स्थानांतरित होकर आए अधिकारियों को कार्यभार की नई जिम्मेदारी दी है। बीएसए ने बताया कि वर्तमान में जनपद में जनगणना, निर्वाचन, वार्षिक परीक्षाओं और निपुण आकलन सहित कई महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं। इन कार्यों को समयबद्ध-सुचारू रूप से पूरा कराने और विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन और पर्यवेक्षण व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए डीएम के अनुमोदन के बाद नई जिम्मेदारियां निर्धारित की गई हैं। अमरनाथ को विकासखंड छाता के साथ नंदगांव और नगर क्षेत्र कोसीकलां का अतिरिक्त प्रभार, सौरभ आनंद को मुख्यालय के साथ नगर क्षेत्र मथुरा, वृंदावन का दायित्व दिया है, सुमित कुमार सिंह विकासखंड बल्देव के साथ राया का अतिरिक्त प्रभार दिया। वही रवि प्रकाश को विकासखंड मांट के नौहझील का दायित्व दिया है वही ओमप्रकाश अकेला विकास खंड फरह के साथ गोवर्धन का अतिरिक्त प्रभार दिया। साथ ही ओमप्रकाश यादव विकासखंड मथुरा और चौमुहां का दायित्व दिया।

25 को छोटू महाराज सिनेमा लगाएगा विशाल रक्तदान शिविर

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर में छोटू महाराज सिनेमा के तत्वावधान में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन 25 नवंबर बुधवार को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक छोटू महाराज सिनेमा, मौनी बाबा मंदिर के सामने, एनएच–19 कोटवन, कोसीकलां' में लगाया जाएगा। शिविर में लाईफ केयर चौरिटेबल ब्लड बैंक, मथुरा की अनुभवी टीम द्वारा रक्तदान कराया जाएगा। रक्तदान करने वाले प्रत्येक व्यक्ति की छह प्रकार की निःशुल्क जांचें की जाएंगी। नगर के युवाओं और समाजसेवियों से इस शिविर में बढ़–चढ़कर भाग लेने की अपील की गई है।

सीडीओ और एडीएम ने खुद दर्ज की परिवार की जानकारी, की स्व–गणना

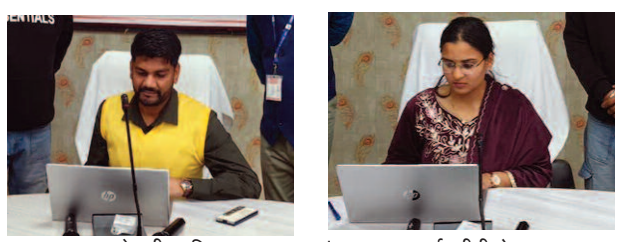
स्व–गणना करते एडीएम वित्त–राजस्व डा. पंकज कुमार वर्मा, सीडीओ डा. पूजा गुप्ता।

यूनिक समय, मथुरा। जनगणना-2027 के द्वितीय चरण के तहत मंगलवार को सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता और एडीएम वित्त-राजस्व डॉ. पंकज कुमार वर्मा ने स्व-गणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) की। दोनों अधिकारियों ने स्वयं परिवार की जानकारी दर्ज कर जनगणना प्रक्रिया में सहभागिता की।

इस दौरान अधिकारियों ने जनपदवासियों से भी स्व–गणना में बढ़–चढ़कर भाग लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्व–गणना के माध्यम से नागरिक स्वयं अपने परिवार से संबंधित जानकारी दर्ज कर इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में योगदान दे सकते हैं। इस अवसर पर स्टेट मास्टर ट्रेनर बलवीर सिंह वर्मा, जिला जनगणना सहायक कपिल यदुवंशी, जिला जनगणना तकनीकी सहायक अंकुर सक्सेना, आरिफ अली, राम सैनी और ऋषभ कुमार उपस्थित रहे।

पचावर, राया और बरौली क्षेत्र में पांच घंटे बिजली कटौती कल

यूनिक समय, मथुरा। पचावर, राया और बरौली क्षेत्र के उपभोक्ताओं को बुधवार को पांच घंटे बिजली कटौती का सामना करना पड़ेगा। 25 नवंबर को 33/11 केवी पचावर उपकेंद्र को जाने वाली 33 केवी लाइन पर मरम्मत कार्य किया जाएगा। इसके चलते सुबह 10 से दोपहर तीन बजे तक विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी। विद्युत विभाग के अनुसार, रामलीला ग्राउंड, गोकुल के पास लाइन की मरम्मत की जाएगी। सुरक्षा की दृष्टि से पचावर के साथ राया और बरौली उपकेंद्रों की बिजली भी बंद रखी जाएगी। इससे पचावर, कारब, बरौली, राया समेत आसपास के गांव प्रभावित होंगे। विभाग ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि बिजली कटौती को देखते हुए अपने जरूरी काम पहले ही निपटा लें।